आपकी बाइबल

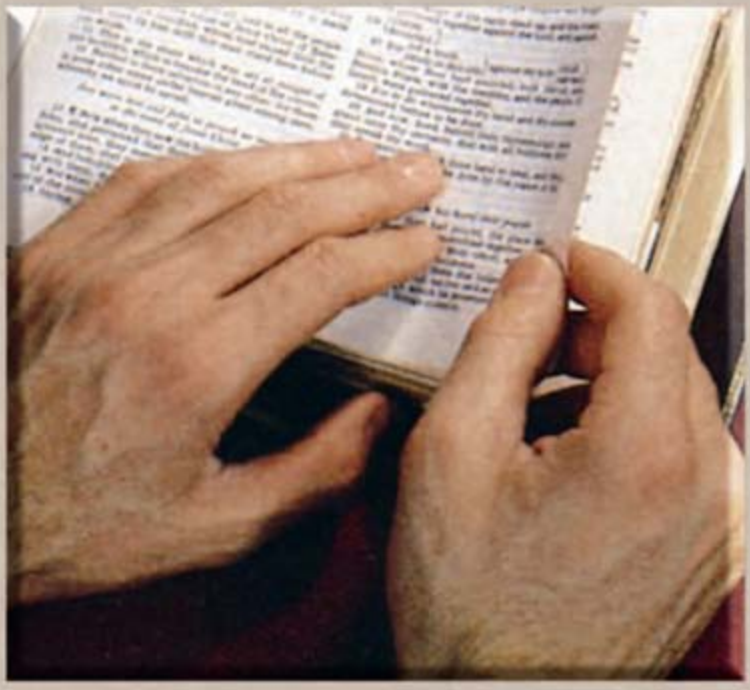

आपकी बाइबल

अतिआवश्यक नोट:-
पृष्ठ 134 (2) के सभी निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है। बाइबल की पुस्तकों की सूची, तथा प्रमाणों की सूची किसी अन्य कागज पर लिखें।

इण्टरनशनल कॉरेसपॉण्डेन्स इस्टटीट्यूट
पोस्ट बॉक्स ५२५४
चाणक्यापुरी, नई दिल्ली ११००२१

Hindi
Your Bible

आपकी बाइबल

कार्य-क्रमिक अध्ययन

लेखक : एल० जेटर वाकर

अनुवादक : सनी डब्ल्यु० प्रसाद

विषय-क्रम

अध्याय	पृष्ठ
१—इस पुस्तक का अध्ययन कैसे करें	७
२—बाइबल अध्ययन से लाभ	२४
३—परमेश्वर की ओर से प्राप्त हुई पुस्तक	४५
४—बाइबल में जो आप जानना चाहते हैं उसे कैसे खोजें	९२
५—पुराने नियम की पुस्तकें	११६
६—नये नियम की पुस्तकें	८८
७—हम किस तरह जानते हैं कि बाइबल परमेश्वर का वचन है	३२

पहला अध्याय

पुस्तक का अध्ययन कैसे करें

क्या आप यह जानना चाहते हैं कि बाइबल आपकी सहायता कैसे कर सकती है ? यह क्यों और किस लिये लिखी गयी ? या हम कैसे सिद्ध कर सकते हैं कि यह परमेश्वर का वचन है ? यदि आपकी रुचि इसमें है, तो यह पुस्तक आपके लिये विशेष रूप से सहायक होगी ।

"आपकी बाइबल" में नवीन तकनीकों पर आधारित कार्य-क्रमिक अध्ययन का प्रयोग किया गया है जो कि शिक्षण के रूप में प्रभावशाली रहा है ।

नोट:—बाइबल पद ढूंढ़ते समय यह समझें कि अध्याय की संख्या पहले इस के बाद पद की । उदाहरण : यूहन्ना ३:१६ का अर्थ यह है यूहन्ना नाम पुस्तक, तीसरी अध्याय और सोलहवाँ पद । पृष्ठ ९६ को देखिए ।

आप इस पुस्तक को अन्य पुस्तकों की तरह न पढ़े। आपको ऊपर से पढ़ना शुरू करके पृष्ठ के नीचे तक जाने की जरूरत नहीं है। तीन खण्डों में बांटे पृष्ठ के ऊपरी खण्ड या सूचना स्थल ही को पढ़े और अगले पृष्ठ पर चले जाएं। और इस तरह से पुस्तक के सभी ऊपरी खण्डों को पढ़ डालें। अब अगले पृष्ठ पर जाएं।

उत्तर ५७

(ख) निर्गमन

व्यवस्था की पुस्तकें

इब्रानी याजक लेवीयों के गोत्र के थे। लैव्यव्यवस्था की पुस्तक इनके कार्यों तथा बलिदानों के विषय में निर्देश देती है जो उन्हें परमेश्वर के सम्मुख चढ़ाने होते थे। अगले पृष्ठ पर जाएं।

उत्तर ११८

१ तीमुथियुस

२ तीमुथियुस

तीतुस

फिलेमोन

पौलुस प्रेरित के पत्र

इब्रानियों का मुख्य शब्द 'उत्तम" है। यह इब्रानी मसीहियों को इस उद्देश्य से लिखा गया कि वे जाने कि सुसमाचार की नई वाचा व्यवस्था से श्रेष्ठ है।

जब आप पूरी पुस्तक के ऊपरी खण्डों को पढ़ लें, तो पुस्तक को फिर से पढ़ना शुरू कर बीच के सभी खण्डों को पढ़ें। और फिर पुस्तक को अन्तिम बार शुरू से पढ़ना प्रारम्भ कर नीचे के सभी खण्ड पढ़ डालें। अगले पृष्ठ पर जाएं।

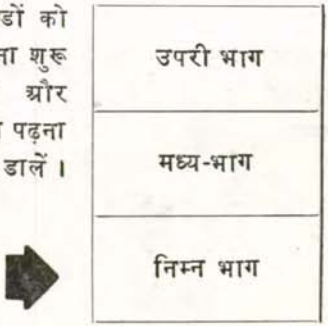

प्रश्न ५८

कौनसी पुस्तक याजकों तथा बलिदानों के विषय निर्देश देती है ?

(क) उत्पत्ति
(ख) निर्गमन
(ग) लैव्यव्यवस्था
(घ) गिनती
(ङ) व्यवस्थाविवरण

प्रश्न ११९

समाचार में मसीह और उसकी नई वाचा की व्यवस्था की पुरानी वाचा से श्रेष्ठ होने की चर्चा किस पुस्तक में है ?

(क) रोमियो
(ख) १ कुरिंथियो
(ग) इब्रानियों
(घ) १ तीमुथियुस
(ङ) फिलेमोन
(च) तितुस

अध्ययन करने का यह एक नया और मनोरंजक तरीका है । अब अगले खाने में जाएं ।

सूचना स्थल

यह पुस्तक आपकी शिक्षक है । इस स्थल या खांचें में आपको कुछ सूचनाएं मिलेंगी । उन्हें पढ़ कर आप अगले पृष्ठ पर जाएं ।

उत्तर ५८

(ग) लैव्यव्यवस्था

व्यवस्था की पुस्तकें

पुस्तक का नाम 'गिनती' कहलाने का कारण यह है कि इसमें इब्रानियों की दो बार की गई जनगणना का उल्लेख है। किसी राष्ट्र के संगठन हेतु यह महत्वपूर्ण कार्य है ।

उत्तर ११९

(ग) इब्रानियों

पौलुस प्रेरित के पत्र

इब्रानियों की पुस्तक बताती है कि व्यवस्था के अन्तर्गत जितने भी सांकेतिक संस्कार तथा बलिदानों की चर्चा है वह सब प्रभु यीशु के हमारे पापों के लिये बलिदान तथा हमारे महायाजक होने के प्रति संकेत करती है ।

प्रश्न या कार्यस्थल

यहां पर आपको आपके द्वारा पढ़ी गई सूचनाओं पर आधारित प्रश्न मिलेंगें या आपको यह बताया जाएगा कि आप किस तरह से इन बातों को ठीक तरह समझ सकते हैं या इन्हें याद रख सकते हैं। आप अपने उत्तरों को लिख दें या दिया गया कार्य पूरा करलें और फिर अगले पृष्ठ पर जाएं।

प्रश्न ५९

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :

बाइबल की पहली ५ पुस्तकें ये हैं :

उ..... गि.....

नि..... व्यवस्थाविवरण

लै.....

प्रश्न संख्या १२०

चारों सुसमाचार, कलीसियाओं के लिखे गये नौ पौलूस प्रेरित के पत्र, चार व्यक्तिगत पत्र, तथा इब्रानी मसीहयों को लिखी गई पुस्तक--सभी के नाम क्रमानुसार लिख कर पुस्तकों की सूची से मिला दें।

उत्तर स्थल

यहाँ पर दिये गये सही उत्तरों की मदद से आप को अपने उत्तरों के सही अथवा गलत होने के विषय तुरन्त पता चल जायगा ।

सूचना

आपको अनेकों सम्भावित उत्तरों में से एक सही उत्तर का चयन करना होगा या वाक्य पूरा करने के लिये सही शब्दों का चयन करना होगा ।

उत्तर ५६

उत्पत्ति
निर्गमन
लैव्यव्यवस्था
गिनती

व्यवस्था की पुस्तकें

अपनी मृत्यु से कुछ पहले, मूसा ने अपना अन्तिम वक्तव्य दिया जिसमें परमेश्वर की व्यवस्था की परिचर्चा थी । यह सब व्यवस्था विवरण में लिखी है जिसका अर्थ है "दूसरी व्यवस्था" ।

सामान्य पत्र

पौलुस प्रेरित के पत्र उन लोगों के नामों पर हैं जिन्हें वे लिखे गए थे, परन्तु सामान्य पत्रों के नाम उनके लेखकों के नामों पर हैं ।

प्रश्न १

जब वाक्य को पूरा करने के लिये अनेकों सम्भावित उत्तर या तरीके दिये हों, तो आप क्या करें ?

(क) सब को सही मान लें ।

(ख) प्रश्न का सही उत्तर चुनें , या वाक्य को पूरा करने के लिये सही शब्द का प्रयोग करें ।

प्रश्न ६०

व्यवस्था की ५ पुस्तकों के नाम लिखें उस पुस्तक को रेखांकित कर दें जिसका अभिप्राय "दूसरी व्यवस्था" से है । अपनी सूची की जांच उत्तर से कर लें । यदि कोई त्रुटि हो तो उसका भी सुधार कर लें ।

कार्य तथा प्रश्न १२१

इन पत्रों को अपनी बाइबल में तलाश करें : याकूब १; १ तथा २ पतरस; १, २, तथा ३ यूहन्ना; यहूदा । इन पत्रों के नाम दिये हैं ।

(क) उन लोगों के नामों पर जिनको वे लिखे गये ।

(ख) उन लोगों के नामों पर जिन्होंने इन को लिखा ।

उत्तर १

(ख) प्रश्न का सही उत्तर चुनें या वाक्य को पूरा करने के लिये सही शब्द का प्रयोग करें ।

सूचना

पूछे गये प्रश्न, सूचना स्थल पर दी गई सूचनाओं पर आधारित हैं । यदि आपको उत्तर का ज्ञान न हो, तो सूचना को फिर से पढ़ें और फिर उत्तर जानने की कोशिश करें ।

उत्तर ६०

उत्पत्ति
निर्गमन
लैव्यव्यवस्था
गिनती
व्यवस्थाविवरण

व्यवस्था की पुस्तकें

व्यवस्था के अलावा, पहली पांच पुस्तकें परमेश्वर के लोगों के २,५०० वर्षों के महत्वपूर्ण इतिहास का उल्लेख करती हैं ।

उत्तर १२१

उन लोगों के नामों पर जिन्होंने इनको लिखा ।

सामान्य पत्र

याकूब यरूशलेम में किसी कलीसिया का पास्टर था । संभवतः प्रभु यीशु का भाई । याकूब जो यहून्ना का भाई था उसका पहले ही सिर काट दिया गया था ।

प्रश्न २

जब आप प्रश्न का उत्तर न दे सकें, तो आपको क्या करना चाहिये ?

(क) सही उत्तर देख लें ।

(ख) अपने विचारों को लिख दें ।

(ग) सूचना-स्थल को फिर पढ़ें, और फिर कोशिश करें ।

(घ) अनुमान लगाएं या फिर छोड़ दें ।

कार्य ६१

बाइबल से मूसा की ५ पुस्तकों को ढूढ़ने का अभ्यास करें । एक पुस्तक निकालने के बाद बाइबल को बन्द कर पुनः दूसरी पुस्तक निकालें । इतना अभ्यास कर लें कि पुस्तकें निकालने में देरी न लगे ।

कार्य तथा प्रश्न १२२

सामान्य पत्रों के लेखकों में दो भाई भी हैं । मत्ती १३:५५ तथा यहूदा का पहला पद पढ़ें । वे दो भाई कौन थे ?

(क) पतरस तथा यूहन्ना

(ख) याकूब तथा यूहन्ना

(ग) याकूब तथा यहूदा

उत्तर २

(ग) सूचना स्थल को फिर पढ़ें, और फिर कोशिश करें ।

सूचना

किसी नोटबुक में प्रश्न का नम्बर लिख लें और साथ-साथ दिये गये उत्तर का अक्षर। प्रश्न नम्बर २ के लिये आपने २ (ग) उत्तर लिखा होगा ।

ऐतिहासिक पुस्तकें

बारह ऐतिहासिक पुस्तकों के नाम निम्न है: यहोशू, न्यायियों, रूत, १ तथा २ शमूएल, १ तथा २ राजा, १ तथा २ इतिहास, एज्रा; नहेम्याह, एस्तेर ।

उत्तर १२२

(ग) याकूब और यहूदा ।

सामान्य पत्र

याकूब ने शिक्षा दी है कि प्रभु यीशु में जीवित विश्वास रखने से लोग भला कार्य करते है। हमारे भले कार्य यद्यपि हमें नहीं बचाते, परन्तु यदि हमने उद्धार पाया हैं तो हम परमेश्वर तथा उस के लोगों के लिये जो कर सकते हैं करेंगे ।

प्रश्न ३

आपको प्रश्न का उत्तर चुनते समय अपनी नोट बुक में क्या लिखना चाहिये ?

(क) पूरा वाक्य।

(ख) प्रश्न का नम्बर तथा दिये गये उत्तर का अच्क्षर जो आपके मतानुसार ठीक हो ।

(ग) इस विषय में अपने विचार ।

कार्य ६२

ऐतिहासिक पुस्तकों की सूचि उतार लें। कोई कागज़ का टुकड़ा अपनी बाइबल में व्यवस्थाविवरण तथा यहोशू के बीच रख दें और एक अन्य टुकड़ा एस्तेर और अय्यूब के बीच रख दें । फिर इन ऐतिहासिक पुस्तकों को निकालने का अभ्यास करें, जैसा कि आप व्यवस्था की पुस्तकों के लिये पहले कर चुके हैं।

कार्य तथा प्रश्न १२३

याकूब १:२२; २ :२० निकाल कर पढ़ें । याकूब यहां पर सिखाता है कि :

(क) हम विश्वास से नहीं बल्कि कार्यो द्वारा उद्धार पाते हैं ।

(ख) जीवित विश्वास द्वारा भले कार्य होते हैं ।

ग) हम किस तरह का जीवन व्यतीत करते है, इससे कोई अन्तर नहीं पड़ता ।

(घ) बिना कार्य के विश्वास उचित है ।

उत्तर ३

(ख) प्रश्न का नम्बर तथा दिये गये उत्तर का अक्षर, जो आपके मतानुसार ठीक हो ।

सूचना

अपना उत्तर लिखने के बाद, पृष्ठ उलट कर उत्तर की जांच करलें। गलत होने पर का चिन्ह बना दें ताकि पुनरिक्षण करने पर आप को अपनी गलती का अनुमान हो जाए।

ऐतिहासिक पुस्तकें

यहोशू मूसा के बाद आने वाला अगुवा था। उसने कनान को विजय किया और वह पहला न्यायी था। यहोशू की पुस्तक में विजय किये जाने की चर्चा है।

उत्तर १२३

(ख) जीवित विश्वास द्वारा भले कार्य होते हैं।

सामान्य पत्र

पतरस के पत्र, पीड़ा उठा रहे मसीहियों में प्रेरणा पैदा करने वाले हैं तथा यह याद दिलाने वाले हैं कि प्रभु यीशु एक दिन वापिस आकर उनको उनके विश्वास का फल देगा।

प्रश्न ४

प्रश्न का नम्बर तथा उत्तर का अक्षर लिखने के बाद, आपको यह करना चाहिए।

(क) यह सोच लें कि आपने ठीक ही उत्तर दिया होगा ।

(ख) सही उत्तर पढ़े और अपने उत्तर से मिलाएं। गलती होने पर × चिन्ह लगा दें ।

प्रश्न ६३

निम्न पुस्तकों में कौन सी पुस्तक कनान के विजेता का नाम रखती है ?

(क) एज्रा	(घ) शमूएल	(छ) यहोशू
(ख) न्यायियों	(ड़) राजा	(ज) नहेम्याह
(ग) रूत	(च) इतिहास	(झ) एस्तेर

प्रश्न १२४

सात सामान्य पत्र निम्न है :

या·····

१ तथा २·····

१, २ तथा ३, यूहन्ना·····

यहूदा

उत्तर ४

(ख) सही उत्तर पढ़ें, और अपने उत्तर से मिलाएं। गलती होने पर चिन्ह × लगा दें।

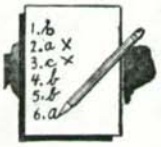

यह विधि सरल है। विद्यार्थी इससे रुचि लेते हैं और अन्य विधियों की तुलना में जल्दी सीखते हैं।

उत्तर ६३

(छ) यहोशू

ऐतिहासिक पुस्तकें

न्यायियों में कनान देश के ४०० वर्ष की विजय और पराजय की चर्चा है। पराजय जबकि लोग परमेश्वर को भूल गये। विजय जब भी वे पश्चाताप करते थे और परमेश्वर न्यायियों को उनके छुटकारे के रूप में खड़ा करता था।

उत्तर १२४

याकूब, १ तथा २ पतरस

सामान्य पत्र

यूहन्ना, जो १२ प्रिय शिष्य में से एक था उन सब से अधिक समय तक जीवित रहा और उसने बाइबल की पांच पुस्तकें लिखीं : अपना सुसमाचार, तीन पत्र, तथा प्रकाशितवाक्य।

प्रश्न ५

कार्य-क्रमिक अध्ययन का यह नया तरीका

(क) एक तरह का खेल है, और विद्यार्थी ज्यादा सीख नहीं पाता ।

(ख) यह खेल ही की तरह रुचिकर है और विद्यार्थी किसी अन्य तरीके की तुलना में जल्दी सीखता है ।

(ग) बहुत कठिन और मन को उचाटने वाला है ।

प्रश्न ६४

दूसरी ऐतिहासिक पुस्तक बताती है :

(क) मनुष्य के इतिहास के पहले २,५०० वर्ष ।

(ख) मिस्र के राजा की हुकूमत में ४०० वर्ष ।

(ग) कनान में न्यायियों की हुकूमत में ४०० वर्ष ।

(घ) रोमी शासकों की हुकूमत के विषय ।

प्रश्न १२५

यूहन्ना के तीन पत्रों का लेखक

(क) यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला था ।

(ख) जोन वेसली था ।

(ग) प्रिय शिष्य यूहन्ना था ।

(घ) पोप जॉन XXIII था ।

(ढ़) जॉन बनयन था ।

उत्तर ५

(ख) खेल की तरह रुचिकर है और विद्यार्थी किसी अन्य तरीके की तुलना में जल्दी सीखता है ।

सूचना

जब आप इस अध्ययन विधि के आदी हो जाएंगे तो आपको पाठ सरल लगेंगे । यदि यह आपको अभी भी कठिन लगता है, तो अपने किसी मित्र की मदद लें । परमेश्वर से भी सहायता का अनुरोध करें ।

(ग) कनान में न्यायियों की हुकूमत के ४०० वर्ष ।

ऐतिहासिक पुस्तकें

रूत की पुस्तक न्यायियों के समय की एक सुन्दर मोआबी स्त्री की चर्चा करती है । आगे चलकर यही स्त्री दाऊद राजा की पर-दादी और प्रभु यीशु के घराने की पूर्वज बनी ।

उत्तर १२५

(ग) प्रिय शिष्य यूहन्ना था ।

सामान्य पत्र

प्रिय शिष्य यूहन्ना के तीनों पत्रों का सार मसीही प्रेम है । परमेश्वर का हमारे अन्दर पाये जाने वाला प्रेम हमें बाध्य करता है कि हम एक दूसरे से प्रेम करें

कार्य ६

यदि आप उत्तर देने में ३ उत्तरों से अधिक में असमर्थ रहे हों, तो अगले पाठ पर जाने से पहले इस अध्याय को फिर से समझें । अग्रिम पाठों में सभी प्रश्नों का उत्तर दें और सभी कार्यों को पूरा करें । अब पृष्ठ १३१ पर दिये अपने छात्र विवरण के पहले भाग को भर दें ।

प्रश्न ६५

दाऊद की पर-दादी के परिवर्तन तथा उनके प्रेम की कथा की चर्चा निम्न पुस्तकों में से किस में पाई जाती है :

(क) एज्ज्रा
(ख) एस्तेर
(ग) नहेम्याह
(घ) १शमूएल
(ङ) न्यायियों
(च) रूत

प्रश्न १२६

लेखक का नाम उसके द्वारा लिखे गए पत्र के सार के आधार पर लिखें:

..... विश्वास द्वारा धर्मी ठहराया जाना ।

..... विश्वास भले कार्यों को पैदा करता है ।

..... पीड़ा उठाने वाले मसीहियों को प्रेरणा देने वाला

..... मसीही प्रेम ।

दूसरा अध्याय

बाइबल अध्ययन के लाभ

उत्तर ६५ (च) रूत	**ऐतिहासिक पुस्तकें** इस्राएल के राज्य के प्रारम्भ होने का वर्णन १ और २ शमूएल में है। शमूएल ने इसके संगठन में मदद की थी। वह याजक, भविष्यद्वक्ता, शिक्षक, राजनीतिज्ञ और अन्तिम न्यायी था।
उत्तर १२६ पौलूस याकूब पतरस यूहन्ना	**सामान्य पत्र** अन्तिम तथा सब से छोटा पत्र यहूदा पाठकों को झूठी शिक्षाओं के प्रति सचेत करता है तथा प्रभु यीशु के आगमन की सूचना देता है।

प्रश्न ७

यह पाठ किस सबन्ध में है ?

(क) हर एक के पास बाइबल नहीं होना चाहिये ।

(ख) बाइबल किस तरह बेचा जाए ।

(ग) बाइबल का अध्ययन किस तरह करें ।

(घ) हर एक को बाइबल का अध्ययन करने से क्या लाभ ।

प्रश्न ६६

बाइबल की पहली दस पुस्तकों के नाम लिखिए ।

उ..... य.....

नि..... न्या.....

लै..... रू.....

गि..... १-श.....

व्य..... २-श.....

प्रश्न १२७

सात सामान्य पत्रों के नाम लिखें । उनमें से सबसे छोटे पत्र को रेखांकित कर दें ।

उत्तर ७	लाभ
(घ) हर एक को बाइबल का अध्ययन करने से क्या लाभ ।	लाभ वह है जिससे आप को किसी तरह की अच्छाई की उपलब्धि हो । हम बाइबल अध्ययन के ८ लाभों की चर्चा करेंगे ।

उत्तर ६६	ऐतिहासिक पुस्तकें
उत्पत्ति, निर्गमन, लैव्यव्यवस्था, गिनती, व्यवस्थाविवरण, यहोशू, न्यायियों, रूत, १ तथा २ शमूएल ।	१ और २ राजा एवम १ और २ इतिहास यहूदा और इस्राएल के राज्यों के इतिहास की चर्चा करते हैं । इतिहास की पुस्तकें पारिवारिक इतिहास की दीर्घकालीन विवरण करती है ।

उत्तर १२७	भविष्द्वाणी की पुस्तक
याकूब १ तथा २ पतरस १, २, ३ यूहन्ना यहूदा	प्रकाशित वाक्य को भविष्यद्वाणी की पुस्तक भी कहते हैं क्योंकि इसमें भविष्य को खोला गया है । इसके सांकेतिक दर्शन बहुत कुछ दानिय्येल की पुस्तक के दर्शनों के अनुरूप हैं ।

कार्य ८

अपनी नोटबुक में यह लिखें:

आत्मा के लिये रोटी
आनन्द
परमेश्वर की समीपता
उत्साह
नीव
प्रेरणा
सच्चाई
सुरक्षा

प्रश्न तथा कार्य ६७

१ राजा के पहले पांच अध्यायनों तथा १ इतिहास के पहले पांच अध्यायों की तुलना करें। किस पुस्तक में इब्रानी पूर्वजों के पारिवारिक इतिहास अथवा पारिवारिक आकड़ों की अधिक चर्चा की गई है ?

(क) १ राजा

(ख) १ इतिहास

प्रश्न १२८

कौन सी दो पुस्तकें हैं जो बहुत कुछ एक दूसरे के अनुरूप हैं इसमें कि सांसारिक संघर्षों की चर्चा, मसीह विरोधी तथा प्रभु मसीह की अन्तिम विजय के सांकेतिक दर्शन देती हैं ?

(क) यशायाह तथा १ पतरस ।

(ख) दानिय्येल तथा प्रकाशित वाक्य ।

(ग) यहेजकेल तथा प्रकाशित वाक्य ।

आत्मा के लिये रोटी

बाइबल **आत्मा के लिये रोटी है।** इसको प्रतिदिन पढ़ने से हमें आत्मा और शरीर के लिये स्वास्थ्य और शक्ति मिलती है। हमारा आत्मिक जीवन इसी रोटी पर निर्भर रहता है।

उत्तर ६७

(ख) १ इतिहास

ऐतिहासिक पुस्तकें

परमेश्वर ने एज्रा याजक और राजकुमार नहेम्याह को इब्रानियों को बाबुल की गुलामी से घर वापिस लाने के लिये अगुवा के रूप में उपयोग किया। उन्होंने राष्ट्र के निर्माण में हाथ लगाया।

उत्तर १२८

(ख) दानिय्येल तथा प्रकाशित वाक्य

भविष्यद्वाणी की पुस्तक

यूहन्ना जब पतामुस के टापू में बहिष्कृत जीवन बिता रहा था इस युग के अन्तिम दिनों के लिये दर्शन देखकर स्वर्ग तथा आने वाले परमेश्वर के राज्य की चर्चा करता था।

प्रश्न तथा कार्य ९

बाइबल के अध्ययन का एक लाभ यह है कि यह हमारी·····
·····रोटी है ।

मत्ती ४ : ४ कंठस्थ कीजिये :

"मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं पर हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीता रहेगा" ।

प्रश्न ६८

परमेश्वर ने एज्रा को यरूशलेम में अद्‌भुत आत्मिक जागृति लाने के लिये उपयोग किया

(क) मिस्र से आज़ादी मिलने के बाद ।

(ख) यहोशू द्वारा कनान को विजय करने के समय ।

(ग) इब्रानियों की बाबुल की दासता से आज़ाद होने के बाद ।

कार्य तथा प्रश्न १२९

प्रकाशित वाक्य के १,२१,२२ अध्याय पढ़ें । इन अध्यायों को पढ़ने पर आपकी विचार धारा कैसी होती है ? क्या आप यह जानकर रोमांचित नहीं हो उठते कि मसीह वापिस आ रहा है ? क्या यूहन्ना की २२:२० की प्रार्थना आपकी प्रार्थना है ? प्रार्थना करें कि परमेश्वर आपकी मदद करें इस बात को याद रखने में जब तक कि आप जीवित हैं तथा उसके लिये कार्य करते है ।

उत्तर ९

आत्मा के लिये

आनन्द

बाइबल के पढ़ने से हमें वास्तविक **आनन्द** मिलता है । यह हमारे लिये परमेश्वर का प्रेम पत्र है । यह एक सुन्दर साहित्य है जिसमें जीवन और परमेश्वर अद्‌भुत संदेश का समावेश है ।

उत्तर ६८

(ग) इब्रानियों के बाबुल की दासता से आजाद होने के बाद

ऐतिहासिक पुस्तकें

परमेश्वर ने एज्रा को प्रेरित किया कि वह लिखे तथा पवित्र पुस्तकों को एकत्र करें जो मिलकर पुराना नियम कहलाती है । उसने शास्त्रों की प्रतियां बनाई ताकि लोग उन्हें पढ़ सकें ।

प्रभु मसीह के प्रकाशन के साथ पतामुस का टापू यूहन्ना के लिये स्वर्ग के द्वार में बदल गया । यह हमारे अधंकार पूर्ण जीवन में प्रकाश तथा आनन्द लाता है तथा अस्तव्यस्त संसार के लिये आशा ।

प्रश्न तथा कार्य १०

बाइबल का दूसरा लाभ.....
है जो हमें इसके पढ़ने और अध्ययन करने से मिलता है ।

कंठस्थ करें :

"तेरे वचन मुझ को कैसे मीठे लगते हैं ।"
भजन संहिता ११९ : १०३ ।

प्रश्न २९

जिन पुस्तकों से पुराना नियम बना है उन का एकत्रित होना एज्रा की मृत्यु के बाद पूरा हुआ ।

हम एज्रा को उसके महत्वपूर्ण काम के लिये याद करते हैं कि उसने

(क) उस समय पाई जाने वाली पुराने नियम की पुस्तकों को एक साथ इकट्ठा किया ।

(ख) पुराने नियम की पहली पांच पुस्तकें लिखीं ।

कार्य १३०

१. बाइबल में विभिन्न पुस्तकों को तलाश करने का अभ्यास करें ।

२. वर्गीकरण के आधार पर पुस्तकों के नाम लिखने का अभ्यास करते रहें जब तक कि आप अपनी स्मृति की सहायता से उन्हें अच्छी तरह न लिख सकें ।

३. अपने छात्र-विवरण को भर दें ।

उत्तर १०	परमेश्वर की समीपता
आनन्द	जब हम परमेश्वर के वचन को पढ़ते हैं तो हमें **परमेश्वर की समीपता** अनुभव होती है। वह वहां उपस्थित है और हमसे व्यक्तिगत रूप में बातचीत करता है। हमारे मन इससे अधिक महत्वपूर्ण लाभ के विचार तक नहीं कर सकते।
उत्तर ६९	**ऐतिहासिक पुस्तकें**
(क) उस समय पाई जाने वाली पुराने नियम की पुस्तकों को एक साथ इकट्ठा किया।	एस्तेर की पुस्तक के पढ़ने से पता चलता है कि किस तरह से परमेश्वर ने रानी एस्तेर को जो सौन्दर्य प्रतियोगिता की विजेता थी इब्रानी लोगों के दासता के समय में हत्याकाण्ड से बचाने के लिये प्रयोग किया।

सातवां अध्याय

हम किस तरह जानते हैं कि बाइबल परमेश्वर का वचन है

प्रश्न ११

लाभों की सूची के पहले तीन लाभ लिखिये :

अ.....

अ.....

प.....

उत्साह

नीव

प्रश्न ७०

ऐतिहासिक पुस्तकों में से अन्तिम तीन पुस्तकों को पढ़ने से पता चलता है कि परमेश्वर ने इब्रानियों की दासता के तथा इनके बाबुल देश से लौट आने के समय किस रीति से उनकी अपनी सुरक्षा में रखा। वे है:

(क) एज्रा, नहेम्याह, एस्तेर

(ख) १ तथा २ शमूएल, १ राजा

(ग) यहोशू, न्यायियों, रूत

प्रश्न १३१

क्या आपने स्वयं से यह प्रश्न किया : "मैं क्यों कर जानता हूँ कि बाइबल सत्य है ?" क्या आप अपने किसी मित्र की सहायता करना चाहते हैं जिसे बाइबल की इस प्रेरणा के विषय शंका हो ? क्या कोई ऐसा व्यक्ति है जो आपके बाइबल पर होने वाले विश्वास से आपको डिगाना चाहता है ? ऐसी स्थिति में यह पाठ विशेष रूप से आपके लिये है।

उत्तर ११

आत्मा के लिये रोटी

आनन्द

परमेश्वर की समीपता

उत्साह

परमेश्वर का वचन **उत्साह** से परिपूर्ण है। वह अपनी प्रेम पूर्ण देख-रेख का उदाहरण हमारे सामने रख कर बताता है: डरो मत। मैं तुम्हारे साथ हूँ और तुम्हारी मदद करूंगा।

उत्तर ७०

(ख) एज्रा, नहेम्याह, एस्तेर

अपने बाइबल में व्यवस्थाविवरण तथा यहोशू की पुस्तक के बीच एक कागज़ का टुकड़ा और एस्तेर तथा अय्यूब की पुस्तक के बीच एक और टुकड़ा रख लें। इन दो भागों में इन पुस्तकों को शीघ्र निकालने हेतु खूब अभ्यास करें।

समस्या

मनुष्य के सामने आने वाली पहली परीक्षा परमेश्वर के वचन पर किये गये आघात से शुरू हुई। शैतान आज भी उसी शंका की बात करता है, "क्या परमेश्वर ने वास्तव में ऐसा कहा ?"

प्रश्न १२

इसे तीन बार पढ़िए :

"मत डर, क्योंकि मैं तेरे संग हूँ, इधर उधर मत ताक, क्योंकि मैं तेरा परमेश्वर हूँ, मैं तुझे दृढ़ करूंगा और तेरी सहायता करूंगा; अपने धर्ममय दहिने हाथ से मैं तुझे सम्हाले रहूंगा ।" यशायाह ४१ : १० ।

हमें बाइबल से उ.....ह मिलता है ।

कार्य ७१

स्मृति से बाइबल की पहली १७ पुस्तकों के नाम लिखें । फिर उन्हें पुस्तकों के सूची क्रम से मिला लें । अपने किसी मित्र से अनुरोध करें कि वह पुस्तकों की इस सूची से कहीं-कहीं पर पुस्तकों के नाम बोले और आप बाइबल से उन्हें निकाल कर यह जांच करें कि कितनी शीघ्रता से आप यह काम कर लेते हैं ।

प्रश्न तथा कार्य १३२

उत्पत्ति ३ : १ पढ़े । सांप ने हवा से क्या प्रश्न किया (वही प्रश्न जो शैतान आज कल के स्त्री पुरुष से करता है) ?

(क) परमेश्वर कहाँ है ?

(ख) तुम परमेश्वर की सेवा क्यों करते हो ?

(ग) क्या वास्तव में परमेश्वर ने ऐसा कहा ?

उत्तर १२

उत्साह

नींव

प्रभुयीशु ने कहा कि हमारे विश्वास और जीवन के लिये उसका वचन एक सुरक्षित **नींव** है। जो वचन का विश्वास नहीं करते वे उस घर की तरह है जिसकी नीव न डाली गई हो।

काव्य की पुस्तकें

अय्यूब, भजन संहिता, नीति वचन, सभोपदेशक, तथा श्रेष्ठगीत इब्रानी पद्य हैं। बाइबल की अन्य कई पुस्तकों में भी काव्य के अंश हैं।

उत्तर १३२

(ग) क्या वास्तव में परमेश्वर ने ऐसा कहा ?

समस्या

परमेश्वर का वचन शैतान के विरुद्ध हमारी सुरक्षा है। अतः शैतान हमारे विश्वास पर आक्रमण करके हमें निरस्त्र तथा पराजित करना चाहता है।

प्रश्न १३

प्रभु यीशु ने शिक्षा देते हुए कहा कि जो मज़बूत बने हुए घर की तरह तूफ़ान में स्थिर रहते हैं, वे वह लोग हैं जिन्होंने अपने जीवन की नींव

(क) अन्य लोगों को देखकर डाली है।

(ख) वैज्ञानिक सिद्धान्तों पर डालीहै ।

(ग) परमेश्वर के वचन पर डाली है।

प्रश्न ७२

अय्यूब, भजन संहिता, नीतिवचन, सभोपदेशक तथा श्रेष्ठगीत की पुस्तकें

(क) इब्रानी लोगों का इतिहास है।

(ख) इब्रानी काव्य है ।

(ग) अंग्रेजी काव्य है ।

(घ) व्यवस्था है।

प्रश्न १३३

शैतान इस बात का प्रयास करता है कि हम बाइबल की ईश्वरीय प्रेरणा पर सन्देह करें ताकि

(क) हम सफल हों तथा प्रसन्न रहें।

(ख) वह हमें निशस्त्र कर अपना शिकार बना दे।

(ग) हम अधिक बुद्धिमान और ज्ञानी बन सकें।

(घ) हम परमेश्वर के समीप आ सकें।

उत्तर १३	प्रेरणा
(ग) परमेश्वर के वचन पर डाली है ।	अपने वचन के द्वारा परमेश्वर हमारे हृदय में विश्वास, आशा तथा प्रेम को **प्रेरित** करता है । कितने ही कवियों, संगीतकारों तथा कलाकारों ने बाइबल से प्रेरणा प्राप्त की हैं ।
उत्तर ७२	**काव्य की पुस्तकें**
(ख) इब्रानी काव्य है	अय्यूब की नाटकीय और दार्शनिक पुस्तक इस विषय पर लिखी है कि अच्छे लोगों को क्यों पीड़ा उठानी पड़ती है । संभवत: बाइबल की किसी भी अन्य पुस्तक के लिखे जाने से पूर्व इसे लिखा गया ।
उत्तर १३३	**समस्या**
(ख) वह हमें निशस्त्र कर अपना शिकार बना सकता है ।	कुछ आधुनिक तथा स्वतन्त्र विचारों के लोगों ने बाइबल पर अपना विश्वास खो दिया है । कुछ लोग तो इसको मनगढ़न्त कहानियों, कथाओं, तथा कल्पनाओं का संग्रह समझते हैं, परमेश्वर का प्रेरणादायक वचन नहीं ।

प्रश्न १४

लाभों की सूची के पहले ६ लाभ लिखिये :

अ.....

अ.....

प.....

उ.....

न.....

सच्चाई

सुरक्षा

प्रश्न ७३

"धार्मिक लोग क्यों पीड़ा उठाते हैं ?" किस पुस्तक का सार है ? सही नाम को रेखांकित करें :

(क) एज्रा

(ख) नहेम्याह

(ग) एस्तेर

(घ) अय्यूब

(ड़) भजन संहिता

प्रश्न १३४

कुछ आधुनिक मण्डली के अगुए और प्रवक्ता दूसरों के विश्वास को नष्ट करते हैं यह शिक्षा देकर कि बैबल

(क) परमेश्वर का वचन त्रुटिहीन है ।

(ख) शैतान के विरुद्ध हमारा शस्त्र है ।

(ग) कल्पनाओं , मनगढ़न्त कहानियों तथा कथाओं का संग्रह है ।

उत्तर १४

आत्मा की रोटी, आनन्द, परमेश्वर की समीपता, उत्साह, नीव, प्रेरणा

सच्चाई

बाइबल में पाई जाने वाली सच्चाई हमारे महत्वपूर्ण प्रश्नों का उत्तर देती है और हमें जीवन का उद्देश्य और अर्थ प्रदान करती है। यह हमें अज्ञान तथा गलतियों से मुक्त करती है ।

उत्तर ७३

(घ) अय्यूब

काव्य की पुस्तकें

भजन सहिता वे गीत हैं जिनसे इब्रानी गीत की पुस्तक बनी । एक महान संगीतज्ञ दाऊद राजा ने उनमें से कई गीत लिखे । उससे सुन्दर काव्य और कहीं नहीं मिलता ।

उत्तर १३४

(ग) कल्पनाओं, मनगढ़न्त कहानियों तथा कथाओं का संग्रह है ।

समस्या

हर एक मसीही को दूसरों से अथवा स्वयं से ही यह प्रश्न सुनना पड़ता है : "हम कैसे जानते हैं कि बाइबल परमेश्वर का वचन है?" इस प्रश्न का उत्तर तलाश करें ।

प्रश्न १५

इसे कंठस्थ करें :

"और सत्य को जानोगे, और सत्य तुम्हें स्वतंत्र करेगा ।" (यूहन्ना ८:३२) रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :

स.....जो बाइबल में मिलती है हमें

अ.....तथा ग.....से स्वतंत्र करेगी ।

प्रश्न तथा कार्य ७४

इब्रानियों के गीत की पुस्तक को बाइबल के बीच में तलाश करें । इसमें कितने भजन, या गीत हैं ?

(क) ५०
(ख) १५०
(ग) २२५
(घ) ३००

कार्य १३५

इस पद को तीन बार पढ़ें तथा फिर इसे बाइबल में रेखांकित करें ।

"जो कोई तुम से तुम्हारी आशा के विषय में कुछ पूछे, तो उसे उत्तर देने को सदा तैयार रहो, पर नम्रता और भय के साथ ।"
१ पतरस ३:१५

उत्तर १५

सच्चाई

अज्ञान

गलतियों

सुरक्षा

हमें परमेश्वर के वचन में वास्तविक सुरक्षा मिलती है । यह हमें प्रभु यीशु में सुरक्षा तथा स्वर्ग में अनन्त धाम की ओर हमारी अगुवाई करता है । परमेश्वर का वचन शैतान और पाप के विरुद्ध हमारी "तलवार तथा ढाल" है ।

उत्तर ७४

(ख) १५०

काव्य की पुस्तकें

दाऊद का पुत्र सुलेमान इस्राएलियों की तीसरा राजा था । जितने भी मनुष्य उत्पन्न हुए हैं उनमें वह सब से बुद्धिमान माना गया है । उसने नीति वचन, सभोपदेशक तथा श्रेष्ठ गीत को लिखा ।

नौ प्रमाण

प्रमाण

बाइबल परमेश्वर का प्रेरित वचन है । इसके नौ प्रमाण है । इनमें से एक पर विचार करने से बात पूरी तरह सिद्ध नहीं होती पर सबका अध्ययन करने से स्पष्ट रीति से सिद्ध हो जाती है ।

प्रश्न १६

क्या आपको परमेश्वर के वचन में सुरक्षा मिली है ? क्योंकि यह आपके कल्याण के लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण है, अतः बाइबल के प्रति आपकी क्या योजना है

(क) इसको हर दिन पढ़ें । इस पर विचार करें तथा इसके दीए गए परामर्श का अनुसरण करें ।

(ख) इसको एक बार पढ़ लें ।

(ग) इसके विषय भूल जाएँ ।

प्रश्न ७५

इब्रानी साहित्य के स्वर्णकाल में :

(क) दाऊद ने भजन संहिता, नीतिवचन तथा श्रेष्ठ गीत लिखें ।

(ख) सुलेमान ने नीति वचन, सभोपदेशक तथा श्रेष्ठ गीत लिखे ।

(ग) सुलेमान ने एस्तेर तथा अय्यूब लिखें ।

कार्य १३६

इस प्रमाण की सूची को उतार लें ।

प्रभाव
विविधता तथा एकता
त्रुटि हीनता
खोज
श्रेष्ठता
लेखक का नाम
भविष्यद्वाणी का पूरा होना
विकल्पों को अस्वीकार करना
स्थिरता

उत्तर १६

यह उत्तर आप ही के निर्णय पर निर्भर है ।

लाभ

वे ८ लाभ लिख कर एक-एक के लिये परमेश्वर का धन्यवाद करें। कार्य नम्बर ८ देखकर उनकी जांच कर लें । अब पृष्ठ १३२ पर दूसरे अध्याय के लिये दिये छात्र-विवरण को भर दें ।

उत्तर ७५

(ख) सुलेमान ने नीतिवचन, सभोपदेशक तथा श्रेष्ठ गीत लिखे ।

काव्य की पुस्तकें

सुलेमान ने कुछ नीति वचन लिखे और कुछ का संकलन किया ताकि युवक सीखें कि किस तरह से एक अच्छा और सफल जीवन बिता सकते हैं । यह "बुद्धि की पुस्तकों" में से एक है ।

बाइबल प्रभाव

बाइबल **प्रभाव** के आलौकिक प्रभाव इस बात का प्रमाण हैं कि इसकी उत्पत्ति अलौकिक है ।

इसकी प्रतिज्ञाओं का पूरा हो जाना इस बात का सबूत है कि यह सही तथा अधिकृत है ।

तीसरा अध्याय

परमेश्वर की ओर से प्राप्त हुई पुस्तक

प्रश्न ७६

काव्य की पुस्तकों में से कौन सी पुस्तक व्यावहारिक बुद्धि के विषय युवकों को सफल होने की परामर्ष देती है ?

(क) अय्यूब
(ख) भजन संहिता
(ग) नीति वचन
(घ) सभोप देशक
(ड़) श्रेष्ठ गीत

प्रश्न १३७

बाइबल का प्र·····बहुत बातों में दिखाई देता है : यानी बैबल की प्रतीज्ञाओं पर आधारित अद्‌भुत रूप से चंगाई, मद्यपान से मुक्ति, जीवन परिवर्तन तथा प्रार्थनाओं के मिले असंख्य उत्तर में । इन प्र·····ों को देखकर हम समझते हैं कि ये प्रतिज्ञाएं परमेश्वर की ओर से हैं ।

पवित्र बाइबल

पवित्र बाइबल एक तरह से ६६ पुस्तकों का पुस्तकालय है जो परमेश्वर से हमें मिला है । हम इसे धर्मशास्त्र तथा परमेश्वर का वचन कहते हैं ।

उत्तर ७६

(ग) नीति वचन

काव्य की पुस्तकें

सभोपदेशक की पुस्तक सुलेमान की साक्षी है जिससे पता चलता है कि परमेश्वर के रहित जीवन सवर्था व्यर्थ है । आनन्द , धन, उपलब्धियां, तथा सामर्थ मनुष्य को संतुष्ट नहीं कर सकतीं । मनुष्य को परमेश्वर की सेवा के लिये सृजा गया ।

उत्तर १३७

प्रभावों

प्रभाव

कुछ लोग कहते हैं : "मैं जानता हूँ कि बाइबल प्रेरणा युक्त है, क्योंकि इससे हमें प्रेरणा मिलती है ।"

परमेश्वर बाइबल के माध्यम से हमसे बोलता है, जीवन को बदलता है, तथा राष्ट्रों का नैतिक स्तर ऊपर उठाता है ।

प्रश्न १७

बाइबल में कितनी पुस्तकें हैं ?

(क) सत्ताइस

(ख) उनतालीस

(ग) छियासठ

(घ) चौहत्तर

प्रश्न ७७

सभोपदेशक भौतिकवाद पर आधारित पुस्तक है जो हमें बताती है कि

(क) सुख-समृद्धि से आनन्द मिलता है ।

(ख) दूसरों का कार्य करने से आनन्द मिलता है ।

(ग) मनुष्य को परमेश्वर की सेवा के लिये रचा गया है तथा अन्य किसी वस्तु से वह संतुष्ट नहीं हो सकता ।

प्रश्न १३८

बाइबल पढ़ने का प्रभाव (जिससे जीवन बदल जाते हैं, समुदायों में उन्नति होती है, और पवित्रता बढ़ती है) इस बात का प्रमाण है कि बाइबल :

(क) परमेश्वर की पुस्तक है जो इन बातों के बारे में बताती है।

(ख) एक पाखण्ड है ।

(ग) किसी भी अन्य पुस्तक की तरह है ।

उत्तर १७

(ग) छियासठ

पवित्र बाइबल

बाइबल से हमारा मतलब "पुस्तकों" से है। "पवित्र" कहने से हमारा अभिप्राय है कि हम किसी वस्तु का आदर करते हैं क्योंकि यह परमेश्वर से संबंधित है।

उत्तर ७७

(ग) मनुष्य को परमेश्वर की सेवा के लिये रचा गया है, तथा अन्य किसी वस्तु से वह संतुष्ट नहीं हो सकता।

काव्य की पुस्तकें

श्रेष्ठ गीत एक नाटकीय गीत है। यह नववधू तथा वर के बीच के प्रेम की चर्चा करता है जिसका अभिप्राय परमेश्वर के अपने लोगों के लिये प्रेम करने से है।

उत्तर १३८

(क) परमेश्वर की पुस्तक है जो इन बातों के बारे में बताती है।

प्रभाव

मान लीजिए कि आपको अपने किसी मित्र का हस्ताक्षर किया हुआ पत्र मिले जिसमें उसने आपको बस अड्डे पर किसी नियत समय पर मिलने को कहा हो। आप वहाँ पहुँचे और वह भी आ जाएं। क्या आप यह शंका करेंगे कि उसने वह पत्र लिखा भी था या नहीं ?

प्रश्न १८

परमेश्वर से सम्बन्धित पुस्तकों को "पवित्र धर्म शास्त्र" कहने का अभिप्राय :

(क) यह सन्तों की पुस्तकें हैं ।

(ख) दो प्राचीन पुस्तकें हैं ।

(ग) वे पुस्तकें है जिनका संबन्ध परमेश्वर से है ।

प्रश्न ७८

काव्य की पुस्तकों के नाम लिखें । उस प्रेम के गीत को रेखांकित कर दें जो परमेश्वर तथा उसके लोगों के प्रति प्रेम अथवा प्रभु मसीह तथा कलीसिया के प्रति प्रेम को दर्शाता है ।

प्रश्न १३६

उन लोगों का अनुभव जिनकी बाइबल में दिये गये निर्देशों का पालन करने से परमेश्वर से भेंट हो चुकी हो इस बात का प्रमाण है कि

(क) कुछ बातों की व्याख्या करना कठिन है ।

(ख) परमेश्वर ने निर्देश दिये हैं ।

(ग) विचित्र संयोग की संभावना है ।

उत्तर १८	ईश्वरीय प्रेरणा
(ग) वे पुस्तकें हैं जिनका संबन्ध परमेश्वर से है ।	ये ६६ पुस्तकें पवित्र हैं क्योंकि ये परमेश्वर की प्रेरणा से रची गईं । "हर एक पवित्रशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है ।" २ तीमुथियुस ३ : १६

उत्तर ७८	भविष्यद्वाणी की पुस्तकें
अय्यूब भजन संहिता नीति वचन सभोपदेशक श्रेष्ठ गीत	परमेश्वर ने भविष्यद्वाणिओं को भविष्य में होने वाली बातों का दर्शन चलचित्र में दिखलाए जाने वाले चित्रों की तरह कराया। भविष्य द्वक्ताओं ने इन प्रकाशनों को लिखा तथा परमेश्वर के संदेश को लोगों तक पहुँचाया ।

उत्तर १३९	प्रभाव
(ख) परमेश्वर ने निर्देश दिये हैं ।	लोग बाइबल पर विश्वास करते हैं क्योंकि वे देखते हैं कि जीवन के विषय इसके सूत्र सही है तथा उसकी चेतावनी और प्रतिज्ञा पूरी हो जाती हैं ।

कार्य १९

कंठस्थ करें :

"क्योंकि कोई भी भविष्यद्वाणी मनुष्य की इच्छा से कभी नहीं हुई, पर भक्त जन पवित्र आत्मा के द्वारा उभारे जाकर परमेश्वर की ओर से बोलते थे।" २ पतरस १ : २१

प्रश्न ७९

भविष्यद्वाणी की पुस्तकों ने अनेक राष्ट्रों के विषय बिलकुल सही भविष्यद्वाणी की क्योंकि भविष्यद्वक्ताओं ने :—

(क) बहुत प्रभावशाली जादुगरी का प्रयोग किया।

(ख) राजनैतिक गतिविधियों का अध्ययन करके आने वाली घटनाओं के विषय बताया।

(ग) परमेश्वर की ओर से प्रकाशन प्राप्त किया।

कार्य १४०

मरकुस १६:१४-२० को पढ़ें तथा अपनी बाइबल में २० वें पद को रेखांकित कर लें।

"और उन्होंने निकल कर हर जगह प्रचार किया, और प्रभु उनके साथ काम करता रहा, और उन चिन्हों के द्वारा जो साथ-साथ होते थे वचन को दृढ़ करता रहा।" मरकुस १६ : २०

ईश्वरीय प्रेरणा

लगभग ४० लोगों ने ईश्वरीय प्रेरणा प्राप्त कर बाइबल को लिखा। इसका अर्थ यह है कि पवित्र-आत्मा की ओर से उन्हें वही शब्द और विचार मिले जो परमेश्वर चाहता था कि लिखे जाएं।

उत्तर ७६

(ग) परमेश्वर की ओर से प्रकाशन प्राप्त किया

प्रमुख भविष्यद्वक्ता

प्रमुख भविष्यद्वक्ता कहलाने का कारण उनकी पुस्तक की लम्बाई, अधिक सेवा काल, तथा उनका अधिक राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय प्रभाव है।

विविधता तथा एकता

विषयों में एकता तथा समानता का पाया जाना जबकि उन्हें विविध लेखकों ने लिखा है इस बात का प्रमाण है कि वे सब परमेश्वर के द्वारा प्रेरित किये गये थे।

प्रश्न २०

जब हम पवित्र शास्त्र को परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया कहते हैं तो हम इस बात पर बल डालते हैं कि

(क) यह हमें परमेश्वर के विषय बतलाता है ।

(ख) परमेश्वर ने लिखने वालों को वही बताया जो उनको लिखना था ।

(ग) परमेश्वर इसके माध्यम से हमसे बातचीत करता है ।

कार्य ८०

बाइबल में प्रमुख भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों पर ध्यान दें : यशायाह, यिर्मयाह, विलापगीत, यहेजकेल तथा दानिय्येल । छोटे भविष्यद्वक्ताओं की सब पुस्तकें मिलाने के बाद भी वे लम्बाई में प्रमुख यशायाह की पुस्तक के बराबर नहीं हैं । सभी प्रमुख भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकों को बाइबल में से तलाश करने का अभ्यास करें ।

प्रश्न १४१

उसकी चेतावनी और प्रतिज्ञाएं पूरी होती हैं ।

सोचिये : बैबल ४० व्यक्तियों द्वारा लिखी गई —वकील, वैद्य, मछुए, किसान, कवि, सैनिक, व्यापारी तथा गड़रिये । उन के विचारों की वि·····को देखते हुए उन के द्वारा लिखी गई पुस्तक में एकता तथा समानता का होना एक आश्चर्य है ।

उत्तर २०

(ख) परमेश्वर ने लिखने वालों को वही बताया जो उनको लिखना था ।

ईश्वरीय प्रेरणा

पहली पुस्तकें प्रभु यीशु के जन्म से लगभग १,५०० वर्ष पूर्व लिखी गईं । अन्तिम पुस्तक प्रभु यीशु के जन्म के १०० वर्ष बाद लिखी गईं ।

प्रमुख भविष्यद्वक्ता

प्रभु यीशु के जन्म से सात सौ वर्ष पूर्व **यशायाह** ने उसके क्वांरी स्त्री से जन्म होने के विषय भविष्यद्वाणी की थी । उसने उसकी हमारे पापों के लिये मृत्यु तथा जी उठने के विषय भी भविष्यद्वाणी की थी ।

उत्तर १४१

विविधता

विविधता तथा एकता

इस पुस्तक के ऊपरी खण्डों का पृष्ठ ४६ से लेकर ५५ तक पुनः निरीक्षण करें । क्या आप इसकी अपेक्षा कल्पना कर सकते हैं कि ४० लेखकों के अलग अलग विचारों के लेख को इकट्ठा करने से कैसी पुस्तक बनेगी ?

प्रश्न २१

बाइबल की पहली पुस्तक के लिखे जाने से लेकर अन्तिम पुस्तक के लिखे जाने तक कितने वर्ष का समय था ?

(क) लगभग ५० वर्ष

(ख) लगभग ५० वर्ष

(ग) लगभग १,६०० वर्ष

प्रश्न ८१

वह कौन सा प्रमुख भविष्यद्वक्ता था जिसने प्रभु यीशु के जन्म से ७०० वर्ष पूर्व अनेक भविष्यद्वाणियां कीं जो प्रभु यीशु के जीवन काल के समय पूरी हुई ?

(क) यशायाह (ग) यहेजकेल

(ख) यिर्मयाह (घ) दानिय्येल

प्रश्न १४२

प्रमाणों के नाम के रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :

प्र.....

वि.....तथा ए.....

त्रुटिहीनता
खोज
श्रेष्ठता
लेखक का नाम
भविष्यद्वाणी का पूरा होना
विकल्पों का अस्वीकार करना
स्थिरता

उत्तर २१ लगभग १,६०० वर्ष	**ईश्वरीय प्रेरणा** इन ४० लेखकों में राजा और मछुए, मजदूर, और राजनीतिज्ञ, सैनिक और याजक, किसान, कवि तथा व्यापारी सम्मिलित थे ।
उत्तर ८१ (क) यशायाह	**प्रमुख भविष्यद्वक्ता** यशायाह तथा यिर्मयाह ने बाबुल की दास्ता के विषय पहले ही भविष्यद्वाणी की थी । यिर्मयाह ने लिखा था कि ७० वर्ष के बाद इब्रानी अपने देश को वापिस लौटेंगे ।
उत्तर १४२ प्रभाव विविधता एकता	**त्रुटि हीनता** बाइबल की त्रुटिहीनता से हमारा अभिप्राय उस में गलतियों का न होने और उसकी घटी घटनाओं, लोगों, स्थानों, वंशावलियों, सामाजिक परम्पराओं, तथा राजनैतिक उतार-चढ़ाव आदि की ऐतिहासिक सत्यता के पाया जाने से है ।

प्रश्न २२

परमेश्वर ने किन लोगों को बाइबल लिखने के लिये प्रेरित किया ?

(क) ४० लोग जिन्होंने एक साथ मिलकर काम किया ।

(ख) ५० याजक तथा भविष्यद्वक्ता

(ग) ६६ किसान और राजनीतिज्ञ ।

(घ) ४० लोग जो विभिन्न व्यापारों तथा विभिन्न समय के थे ।

कार्य ८२

यशायाह की भविष्यद्वाणी इब्रानी बंधुआई से १०० वर्ष पहले या उससे पूर्व की गई थी । यशायाह ४४:२८, यिर्मयाह २५:११ तथा २ इतिहास ३६:२२ पढ़ें । बाबुल के कुस्रू राजा की राजाज्ञा इब्रानियों की बंधुआई के सत्तर वर्ष बाद यिर्मयाह की भावष्यद्वाणी के अनुसार हुई ।

प्रश्न १४३

परिकल्पनाएं तथा कहानियां ऐतिहासिक रूप में सही नहीं होते परन्तु बाइबल है । बाइबल की त्रुटिहीनता इस बात का प्रमाण है कि :

(क) यह हमारे विश्वास के योग्य है ।

(ख) यह परिकल्पनाओं तथा कहानियों का संग्रह है ।

उत्तर २२

(घ) ४० लोग जो विभिन्न व्यापारों तथा विभिन्न समय के थे ।

ईश्वरीय प्रेरणा

इन ४० लेखकों के लेख में एक ही संदेश था : परमेश्वर और मनुष्य के बीच संबंध । वे सब एक मत के थे क्योंकि परमेश्वर ने हर लेखक को बताया कि उसे क्या लिखना है ।

प्रमुख भविष्यद्वक्ता

यरूशलेम के विनाश होने पर थिर्मयाह द्वारा करी गई बहुत सी भविष्यद्वणियां पूरी हुईं । उसने इनको पांच शोक की कविताओं में उल्लेख किया है जिन्हें **विलापगीत** के नाम से जाना जाता है ।

उत्तर १४३

(क) हमारे विश्वास के योग्य है ।

त्रुटि हीनता

परमेश्वर ने लेखकों को उनके समय के गलत विश्वासों को बाइबल में लिखने से रोक रखा । परमेश्वर ने बाइबल त्रुटि से मुक्त रखा । बाइबल की परामर्श आज भी व्यावाहरिक है ।

प्रश्न २३

ये लोग यद्यपि विभिन्न वर्गों तथा संस्कृति के थे फिर भी उनके विषय में समानता थी। उनमें परस्पर विरोध न होने का कारण यह है कि :

(क) वास्तविक लेखक तो परमेश्वर था, अतः उन्होंने वही लिखा जो परमेश्वर ने उन्हें बताया।

(ख) हर एक लेखक बाद वाले के लिये निर्देश छोड़ता गया।

प्रश्न ८३

यिर्मयाह द्वारा लिखी गई वह कौन सी पुस्तक है जिसमें यरूशलेम के विनाश की चर्चा है तथा जिसकी गणना काव्य की पुस्तकों में न कर प्रमुख भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तक में की जाती है ?

(क) नीतिवचन (ग) यिर्मयाह

(ख) सभोपदेशक (घ) विलापगीत

प्रश्न १४४

ज्ञान के बढ़ने के साथ भ्रमपूर्ण विचारों की पहचान हो जाती है। पुस्तकों को बदलना पड़ता है। परन्तु बाइबल को बदलने की आवश्यकता नहीं होती। इसके लेखकों में भी अपने समय के बहुत से भ्रामक विचार थे परन्तु प·····ने उन्हें उन भ्रामक विचारों या त्रुटियों को बाइबल में लिखने से रोके रखा।

उत्तर २३

वास्तविक लेखक तो परमेश्वर था, अतः उन्होंने वही लिखा जो परमेश्वर ने उन्हें बताया ।

दो नियम

नियम का अर्थ समझौते, संधि, अथवा वाचा से है । बाइबल दो नियमों में बंटा है– पुराना तथा नया । उसमें वह वाचाएं हैं जो परमेश्वर ने मनुष्य के साथ बान्धी ।

उत्तर ८३

(घ) विलाप गीत

प्रमुख भविष्यद्वक्ता

यहेजकेल तथा दानिय्येल निर्वासित भविष्यद्वक्ता थे । उन्होंने इब्रानियों के ७० वर्ष की बाबुल की बन्धुआई काल में भविष्यद्वाणी की ।

उत्तर १४४

परमेश्वर

त्रुटि हीनता

यद्यपि दो लेखकों के एक ही विचार होता नहीं परन्तु परमेश्वर ने बाइबल के किसी लेखक को कोई विचार एक दूसरे लेखक के विचार से विपरीत लिखने नहीं दिया जबकि वे अपने विषय के विविध पहलुओं को प्रदर्शित कर रहे थे ।

प्रश्न २४

पुराना तथा नया नियम उस इतिहास और शर्तों की चर्चा करते हैं :

(क) जो परमेश्वर ने मनुष्य के साथ बान्धीं ।

(ख) जो मिस्र तथा इस्राएलियों के बीच की वाचा के रूप में बंधी ।

(ग) जो प्राचीन राजाओं के वसीयतनामे थे ।

(घ) जो मनुष्य के धार्मिक विकास से संबन्ध रखती है ।

प्रश्न ८४

भविष्यद्वक्ता ये बाबुल की बन्धुआई में थे तथा निर्वासित काल में इब्रानियों को प्रचार किया :

(क) यशायाह तथा यिर्मयाह

(ख) यहेजकेल तथा दानिय्येल

(ग) होशे, योएल, तथा आमोस

(घ) योना, मीका तथा नहूम

प्रश्न १४५

बाइबल में परस्पर विचारों में विरोध न होना इसकी तु· · · · · · · · · · की पहिचान है । यह इस बात का भी प्र· · · · · · · · ·है कि परमेश्वर ने लेखकों को अपनी बात लिखने के लिये प्रेरित किया ।

उत्तर २४	दो नियम
(क) जो परमेश्वर ने मनुष्य के साथ बान्धी	पुराना नियम यहूदियों को दिया गया । यहूदी, इब्रानी अथवा इस्राएली भी कहलाते हैं । परमेश्वर ने इनको अपनी सच्चाई प्राप्त करने, लिखने, तथा दूसरों तक पहुँचाने के लिये चुना ।

उत्तर ८४	प्रमुख भविष्यद्वक्ता
(ख) यहेजकेल तथा दानिय्येल	दानिय्येल एक बन्धक इब्रानी राजकुमार था जो बाद में बाबुल के राज्य का प्रधान मंत्री बना । राज्यों के उत्थान तथा पतन के विषय उसकी अचूक भविष्यद्वाणी आश्चर्य चकित कर देती हैं ।

उत्तर १४५	त्रुटि हीनता
त्रुटिहीनता प्रमाण	सामान्य इतिहास की पुस्तकों में कुछ त्रुटियां होने का कारण यह है कि लेखकों ने अपने पराक्रमी पुरुषों तथा उनके राष्ट्रों की कमियों के छुपाने हेतु पक्षपात किया । बाइबल निष्पक्ष तथा सच्चा है, केवल परमेश्वर के दृष्टिकोण को दिखाता है ।

प्रश्न २५

किन लोगों को पुराने नियम में परमेश्वर का प्रकाशन और वाचा प्राप्त करने के लिये चुना गया ?

(क) इब्रानी

(ख) मसीही

(ग) पिलिश्ती

प्रश्न ८५

प्रमुख भविष्यद्वक्ताओं की पांच पुस्तकों के नाम लिखें । उस बन्धक राजकुमार के नाम को रेखांकित कर दें जो प्रधान मंत्री बना ।

प्रश्न १४६

इब्रानी इतिहास के रूप में बाइबल इब्रानियों के पराक्रमी पुरुषों तथा उन के राष्ट्र के पाप और दण्ड का लेख देती है ।

इस लिखने का तरीका

(क) इतिहास की विशेषता है ।

(ख) यह बाइबल की पहिचान है तथा इस बात का प्रमाण है कि यह परमेश्वर के दृष्टिकोण के अनुरूप लिखी गयी ।

उत्तर २५	दो नियम
(क) इब्रानी	पुराना नियम परमेश्वर के मनुष्य के साथ संबन्ध के इतिहास को सृष्टि से लेकर उद्धारकर्ता के आने और उसके द्वारा नई बाचा के स्थापित करने की शर्तों की चर्चा करता है ।

उत्तर ८५	सामान्य भविष्यद्वक्ता
यशाया यिर्मयाह विलापगीत यहेजकेल दानिय्येल	सामान्य भविष्यद्वक्ताओं में से पहले नौ बन्धुई से पूर्व रहे थे । अन्तिम तीन यहूदियों के बाबुल से लौटने के बाद रहे ।

उत्तर १४६	खोज
(ख) यह बाइबल की पहिचान है तथा इस बात का प्रमाण है कि यह परमेश्वर के दृष्टि कोण के अनुरूप लिखी गयी ।	आधुनिक विद्वानों ने कहा कि बाइबल में उल्लेखित अनेकों घटनाओं की चर्चा त्रुटिपूर्ण है क्योंकि उनका कोई भी ब्योरा इतिहास में नहीं मिलता ।

प्रश्न २६

पुराने नियम में परमेश्वर तथा मनुष्य के बीच के संबन्धों की शर्तें लागू थीं

(क) बिना किसी परिवर्तन के हमेशा तक ।

(ख) जब तक परमेश्वर ने अपने पुत्र को उद्धारकर्त्ता के रूप में मनुष्य के बीच एक नई वाचा स्थापित करने और शर्तों को पूरा करने के लिये नहीं भेजा ।

कार्य ८६

दी गई सामान्य भविष्यद्वक्ताओं की सूची को उतार लें । इसके बाद इन पुस्तकों को अपनी बाइबल में तलाश करें :

होशे	योना	सपन्याह
योएल	मीका	हाग्गै
आमोस	नहूम	जकर्याह
ओबद्याह	हबक्कूक	मलाकी

प्रश्न १४७

आधुनिक विद्वानों ने बाइबल के कुछ विवरणों को त्रुटिपूर्ण, या कहानियां मात्र कहा है क्योंकि

(क) वे विश्व इतिहास के साथ मेल नहीं खातीं ।

(ख) अन्य उपलब्ध इतिहास में उनकी कोई चर्चा नहीं है ।

(ग) वे अत्याधिक काल्पनिक हैं ।

उत्तर २६

(ख) जब तक परमेश्वर ने अपने पुत्र को उद्धार-कर्ता के रूप में मनुष्य के बीच एक नई वाचा स्थापित करने और शर्तों को पूरा करने के लिये नहीं भेजा ।

दो नियम

नया नियम नये वाचा के इतिहास और शर्तें की चर्चा करता है जो परमेश्वर ने उन सब लोगों के साथ बान्धी है जिन्होंने उसके पुत्र, प्रभु यीशु को अपने उद्धार कर्ता के रूप में ग्रहण कर लिया है ।

सामान्य भविष्यद्वक्ता

होशे ने परमेश्वर के प्रेम का उसके लोगों के लिये वैसे ही प्रचार किया जैसे कोई पति अपनी अविश्वासी पत्नी के लिये करता है । होशे ने इस बात का उदाहरण अपनी अविश्वासी पत्नी को क्षमा करने से दिया ।

उत्तर १४७

(ख) अन्य उपलब्ध इतिहास में उनकी कोई चर्चा नहीं ।

खोज

पुरातत्व विज्ञान प्राचीन वस्तुओं का आधुनिक विज्ञान है । विशेषज्ञों ने नगरों की खुदाई का कार्य करके लेखों तथा स्मारकों का पता लगाया है जो यह सिद्ध करते हैं कि बाइबल का विवरण ठीक है ।

प्रश्न २७

नियम और शर्तें

वाचा सम्बंन्धी नियमों और शर्तों जो परमेश्वर ने प्रभु यीशु को अपने उद्धारकर्त्ता के रूप में स्वीकार करने वालों के साथ बान्धी है कहाँ व्यक्त किये जाते हैं ?

(क) पुराने नियम में

(ख) नये नियम में

प्रश्न ८७

किस भविष्यद्वक्ता के प्रचार का सार परमेश्वर का प्रेम है जो उसने अपने अविश्वासी लोगों पर प्रकट किया, और जिस भविष्यद्वक्ता ने स्वयं भी इस तरह के प्रेम का प्रदर्शन अपनी अविश्वासी पत्नी को क्षमा करने से किया ?

(क) यशायाह (ग) यहेजकेल (ङ) होशे (छ) योना
(ख) यिर्मयाह (घ) दानिय्येल (च) आमोस (ज) मीका
(झ) नहूम

प्रश्न १४८

प्राचीन तथा पुराने खण्डहरों की वैज्ञानिक खुदाई तथा प्राप्त लेखों तथा स्मारकों के अध्ययन से बाइबल के इतिहास की सत्यता सिद्ध हो जाती है। वह विज्ञान जिसने इन बातों की खोज की है बताइए :

(क) खगोल विद्या (ग) पुरातत्व विज्ञान

(ख) भूविज्ञान (घ) भाषा विज्ञान

उत्तर २७

(ख) नये नियम में

दो नियम

नया नियम पुराने नियम पर आधारित है। यह दोनों समझौतों के सबन्ध की चर्चा करता है और पूराने नियम की बहुत सी पूर्ण हो गई भविष्यवाणियों के विषय में बताता है ।

उत्तर ८७

(ङ) होशे

सामान्य भविष्यद्वक्ता

योएल ने पवित्र आत्मा के उन्डेले जाने की भविष्यद्वाणी की थी जो पिन्तेकुस्त के दिन पूरी हुई तथा इन अन्तिम दिनों में कॉरिस्मेटिक (Charismatic) जागृति के द्वारा पूरी हो रही है ।

उत्तर १४८

(ग) पुरातत्व विज्ञान

खोज

सुलेमान राजा के समय के ढलाई घरों की खोज हो जाने के बाद से ठट्ठा करने वाले लोग बाइबल में उस के धन के बारे में लिखी हुई बातों पर हंसी नहीं कर पाते। अन्य बहुत सी खोजों से बाइबल की सच्चाई का पता लगता जा रहा है ।

कार्य २८

अपने सामने खुले हुए बाइबल के सूची-पत्र को देखकर वह पृष्ठ निकाल लें जहाँ से नया नियम शुरू होता है। वहां से बाइबल को खोलने का अभ्यास करें। पुराना नियम, बाइबल का तीन चौथाई भाग है।

नया नियम केवल एक चौथाई है

प्रश्न तथा कार्य ८८

भविष्यद्वाणी को योएल २:२८,२९ में पढ़ें।
योएल की यह भविष्यद्वाणी किस विषय की चर्चा करती है ?

(क) परमेश्वर का प्रेम और क्षमा।
(ख) पवित्र आत्मा का उन्डेला जाना।
(ग) सामाजिक अन्याय
(घ) निनवे का विनाश

प्रश्न १४९

बाइबल के बहुत से आलोचक अब अपने विवादों में हार गये हैं क्योंकि बहुत से आधुनिक पुरातत्व विज्ञान की ख·····ने बाइबल को सच्चा तथा उन आलोचकों को झूठा सिद्ध कर दिया है।

दो नियम

क्योंकि इस समय हम नये नियम की शर्तों पर विचाराधीन हैं, अतः हम इसे पुराने नियम से पहले पढ़ने का निवेदन करते हैं। यद्यपि पूराने नियम में भी हमारे लिये बहुत से महत्वपूर्ण अध्याय है।

उत्तर ८८

(ख) पवित्र आत्मा का उण्डेला जाना।

सामान्य भविष्यद्वक्ता

आमोस एक गड़रिया था जिसे परमेश्वर ने इस्राएल की राजधानी में भेजा ताकि वह सामाजिक अन्याय के विरुद्ध प्रचार करे। उसने लोगों को पाप के लिये होने वाले न्याय के बारे में सचेत किया।

उत्तर १४६

खोजों

खोज

चिकित्सा के क्षेत्र में सफाई, खान-पान, तथा मानसिक स्थिति के विषय मिले ज्ञान द्वारा यह पता चल चुका है कि बाइबल में इन विषयों पर दिये गए सुझाव आदर्श तथा स्वास्थ्यवर्धक हैं।

प्रश्न २६

अब हम··········नियम की शर्तों के अन्तर्गत हैं, परन्तु हम सारे बाइबल का अध्ययन करते हैं क्योंकि यह सभी परमेश्वर की ओर से प्रेरित किया गया है। कंठस्थ करें : "परन्तु ये सब बातें, जो उन पर पड़ीं, दृष्टान्त की रीति पर थी : और वे हमारी चेतावनी के लिये जो जगत के अन्तिम समय में रहते हैं लिखी गई हैं।" १ कुरिन्थियों १०:११।

प्रश्न ८६

वह गड़रिया कौन था जो परमेश्वर द्वारा राजधानी में भेजा गया ताकि सामाजिक अन्याय की आलोचना करे तथा इस्राएल को पश्चाताप करने के लिये आग्रह करे ?

(क) होशे
(ख) योएल
(ग) आमोस
(घ) ओबद्याह
(ङ) योना
(च) मीका

प्रश्न १५०

मूसा को इब्रानियों के लिये परमेश्वर की ओर से आहार तथा स्वास्थ्य संबन्धी नियम मिले थे। आधुनिक विज्ञान से यह पता लग चुका है कि वे :

(क) हास्यप्रद तथा हानिकारक थे।

(ख) पहले ज्ञात बातों से कहीं अधिक अच्छे तथा स्वास्थ्य के लिये आदर्श थे।

उत्तर २९

नया

बाइबल की सहभागिता

हमें परमेश्वर के लोगों के प्रति कृतज्ञ होना चाहिये जिन्होंने परमेश्वर के वचन को प्राप्त किया, उस की सुरक्षा की और अन्य राष्ट्रों के साथ उसकी सहभागिता की।

उत्तर ८९

(ग) आमोस

सामान्य भविष्यद्वक्ता

ओबद्याह की भविष्यद्वाणी एदोम वासियों के न्याय के विषय थी। ओबद्याह की पुस्तक पुराने नियम की सब से छोटी पुस्तक है। इस भविष्यद्वक्ता के विषय में अधिक जानकारी नहीं है।

उत्तर १५०

(ख) पहले ज्ञात बातों से कहीं अधिक अच्छे तथा स्वास्थ्य के लिये आदर्श थे।

खोज

भाषा ज्ञान, जिसमें भाषाओं की जानकारी की जाती है इस बात को प्रमाणित कर दिया है कि बाइबल की भविष्यद्वाणी घटनाओं के घटने से पूर्व लिखी गई थी।

प्रश्न ३०

अपनी बाइबल के लिये हमें किन लोगों का विशेष रूप से आभारी होना चाहिये ?

(क) प्राचीन बाबुल के शास्त्रियों के ।

(ख) परमेश्वर के जनों के जिन्होंने इसे प्राप्त किया, सुरक्षित किया तथा दूसरों के साथ इसकी सहभागिता की ।

(ग) यूनानी दार्शनिकों के ।

प्रश्न ९०

पहले चार सामान्य भविष्यद्वक्ताओं के नाम लिखें । उस भविष्यद्वक्ता को रेखांकित कर दें जिसने एवोम के न्याय के विषय लिखा ।

प्रश्न १५१

बाइबल के शत्रुओं ने यह सिद्ध करने का यत्न किया कि बाइबल की भवियद्वाणियां पाखण्ड थीं, तथा उन घटनाओं के घटने के बाद लिखी गई थीं । भ·····विज्ञान ने इन बातों का विश्लेषण करके यह सिद्ध कर दिया है कि वे सभी भविष्यद्वाणियां प्रमाणिक हैं ।

उत्तर ३०

(ख) परमेश्वर के जनों का जिन्होंने इसे प्राप्त किया, सुरक्षित किया, तथा दूसरों के साथ इसकी सहभागिता की।

बाइबल की सहभागिता

जितनों के पास बाइबल है, परमेश्वर उनसे यही चाहता है कि वे दूसरों के साथ इसकी सहभागिता करें। अतः हम इसका अध्ययन करते हैं, इसको सिखाते हैं और बाइबल की समितियां स्थापित करते हैं जो इसका अनुवाद करती और छापती है।

उत्तर ९०

होशे

योएल

आमोस

ओबद्याह

सामान्य भविष्यद्वक्ता

परमेश्वर ने योना को धर्म-प्रचारक के रूप में नीनवे भेजा, परन्तु उसने भागने की कोशिश की। एक बड़ी मछली के निगल जाने पर उसने पश्चाताप किया और उसके पेट से निकल जाने पर उसने परमेश्वर की आज्ञा मानी।

उत्तर १५१

भाषा विज्ञान

खोज

डेड सी (Dead Sea) में पुरातत्व खोजों से मिले कागजी दस्तावेजों से यह बात निश्चित रूप से प्रमाणित हो चुकी है कि बन्धुई के विषय में लिखी गई भविष्य-द्वाणियां उन घटनाओं के घटने से पहले लिखी गई थीं।

प्रश्न ३१

हम क्यों बाइबल का अध्ययन करते, इसको सिखाते और बाइबल समितियां बनाते हैं ?

(क) क्योंकि कलीसिया में अधिक सदस्य करने का यह अच्छा तरीका है ।

(ख) क्योंकि परमेश्वर उन सब से जिनके पास उसका वचन हैं यही चाहता है कि वे इसकी दूसरों के साथ सहभागिता करें ।

प्रश्न ९१

कौन से भविष्यद्वक्ता ने अनिच्छुक होने पर भी नीनवे जाकर प्रचार किया ?

(क) होशे
(ख) योएल
(ग) आमोस
(घ) ओबद्याह
(ङ) योना
(च) मीका
(छ) नहूम
(ज) हबक्कूक

प्रश्न १५२

पुरातत्व, चिकित्सा ज्ञान, तथा भाषा विज्ञान ने बाइबल की सत्यता को प्रमाणित कर दिया है तथा इसके ईश्वरीय रूप में प्रेरित होने के प्रभावपूर्ण प्रमाण दिये हैं

(क) विषय पर वाद विवाद करने से ।

(ख) अधिक संख्या में मतदान करने से ।

(ग) अपनी वैज्ञानिक खोजों से ।

उत्तर ३१	विभिन्न भाषाओं में अनुवाद
(ख) क्योंकि परमेश्वर उन सबसे जिनके पास उसका वचन है यही चाहता है कि वे इसकी दूसरों के साथ सहभागिता करें ।	परमेश्वर चाहता है कि हर व्यक्ति को बाइबल उसकी भाषा में उपलब्ध हो ताकि वह उसको समझ सके। उसने पुराना नियम इब्रानियों को उनकी ही भाषा में दिया ।

उत्तर ९१	सामान्य भविष्यद्वक्ता
(ङ) योना	मीका भविष्यद्वक्ता ने यीशु मसीह के बारे में एक मुख्य भविष्यद्वाणी की जब कि उसने यीशु का जन्म-स्थल स्पष्ट रीति से बताया । मीका ५:२ और मत्ती २:६ पढ़िये ।

उत्तर १५२	खोज
(ग) अपनी वैज्ञानिक खोजों से	बाइबल के दिनों में किसी मनुष्य को पृथ्वी के गोलाकार होने या वातावरण के ज्वलनशील होने का ज्ञान नहीं था। परन्तु परमेश्वर ने यशायाह तथा पतरस को प्रेरित किया कि वे इन तथ्यों को लिख दें ।

प्रश्न ३२

पवित्र आत्मा की प्रेरणा से पुराने नियम की भाषा

(क) स्वर्गदूतों की भाषा थी

(ख) लैटिन थी

(ग) इब्रानी थी

(घ) अंग्रेजी थी

प्रश्न ९२

भविष्यद्वक्ताओं के सुसंदेश के आधार पर उनके नाम लिखें ।

हो..... परमेश्वर का प्रेम

यो..... पवित्र आत्मा

आ..... सामाजिक अन्याय

ओ..... एदोम का न्याय

यो..... नीनवे का न्याय

मी..... प्रभु यीशु का जन्म स्थल

प्रश्न तथा कार्य १५३

यशायाह ४० : २२ तथा २ पतरस ३:१०-१३ को पढ़ें तथा रेखांकित कर लें । पृथ्वी के गोल होने तथा आकाश के जलाये जाने के उल्लेख से पता चलता है कि

(क) यशायाह एक ज्योतिषी था तथा पतरस एक अणु वैज्ञानिक

(ख) परमेश्वर ने बाइबल के इन अंशों को प्रेरित किया ।

उत्तर ३२

(ग) इब्रानी थी

विभिन्न भाषाओं में अनुवाद

बाद में यूनानी भाषा विश्व में आम तौर पर बोली जाने वाली भाषा बन गई। नया नियम यूनानी भाषा में लिखा गया जिसे साधारण मनुष्य बोलता था।

उत्तर ९२

होशे
योएल
आमोस
ओबद्याह
योना
मीका

सामान्य भविष्यद्वक्ता

योना के प्रचार करने पर नीनवे के लोगों ने पश्चाताप किया। जब उन्होंने फिर से अपनी बुराई को अपना लिया परमेश्वर ने नहूम को भेजा ताकि वह आने पर न्याय तथा नीनवे के विनाश के विषय उन्हें चेतावनी दे।

उत्तर १५३

(ख) परमेश्वर ने बाइबल के इन अंशों को प्रेरित किया।

श्रेष्ठता

अगर कोई पुस्तक वास्तव में एक बुद्धिमान, पवित्र तथा कृपालु परमेश्वर द्वारा प्रेरित की गई हो तो उसे सब पुस्तकों से श्रेष्ठ होना चाहिये। बाइबल ऐसी ही है।

प्रश्न ३३

साधारण मनुष्य नये नियम को समझ सकें, परमेश्वर ने इसके लिए लेखकों को प्रेरित किया कि वे इसे

(क) इब्रानी में लिखें ।

(ख) विद्वानों द्वारा बोली जाने वाली विशेष युनानी में लिखें।

(ग) आम लोगों द्वारा बोले जाने वाली यूनानी में लिखें ।

प्रश्न ९३

परमेश्वर की ओर से अनेक भविष्यद्वक्ताओं ने परमेश्वर का संदेश दूसरे राष्ट्रों तक पहुँचाया तथा परमेश्वर के प्रेम और देख-रेख के विषय उन्हें अवगत किया ।

नीनवे को धर्म प्रचार के निमित्त किन को भेजा गया ?

(क) योएल तथा आमोस

(ख) योना तथा नहूम

(ग) ओबद्याह तथा मीका

कार्य १५४

सारे साहित्य में कोई दूसरी पुस्तक ऐसी नहीं है जो भजन संहिता में उसकी सुन्दर, शैली पत्रों में उनके उत्कृष्ट विचारों, या प्रभु यीशु द्वारा दिये गये नैतिक शिक्षा के स्तर की बराबरी कर सके ।

कंठस्थ करें :

"किसी मनुष्य ने कभी ऐसी बातें न कीं ।" यूहन्ना ७:४६

उत्तर ३३

(ग) आम लोगों द्वारा बोले जाने वाली यूनानी में लिखे

विभिन्न भाषाओं में अनुवाद

हमसे अधिकतर लोग अब इब्रानी तथा यूनानी भाषा नहीं समझते । इस कारण बाइबल का अनुवाद उन सभी भाषाओं में कर दिया गया है जो हम समझते हैं — लगभग १,३०० भाषाओं में ।

उत्तर ९३

(ख) योना तथा नहूम

सामान्य भविष्यद्वक्ता

हबक्कूक तथा सपन्याह ने एक राष्ट्रीय पराजय तथा बन्धुआई के विषय चेतावनी दी जो आनेवाली थी यदि यहूदी पश्चाताप न करें । पर वे अपने पापों से अलग न हुए और बाबुल में बन्धक के रूप चले गए ।

श्रेष्ठता

बाइबल दूसरी पुस्तकों से अपनी व्यापकता में कहीं अधिक श्रेष्ठ है । इसने हर युग, देश, तथा संस्कृति के मनुष्य की आवश्यकता को पूरा किया है ।

प्रश्न ३४

सम्पूर्ण बाइबल, अथवा कम से कम इसकी एक पुस्तक का अनुवाद १,३०० भाषाओं अथवा प्रान्तीय भाषाओं में कर दिया गया है क्योंकि:

(क) परमेश्वर का वचन संसार के हर व्यक्ति के लिये है, वह चाहता है कि वचन उसे उस भाषा में मिले जिसे वह समझता हो ।

(ख) यूनानी बाइबल अधिक मंहगा पड़ता है ।

प्रश्न ९४

ये नौ सामान्य भविष्यद्वक्ता बाबुल की बन्धुआई से पहले रहे थे :

हो····· ओ····· न·····

यो····· यो····· ह·····

आ····· मी····· स·····

प्रश्न १५५

केवल परमेश्वर मनुष्य के हृदय को जानता है तथा ऐसी पुस्तक देने में समर्थ है जो मनुष्य की अभिलाषाओं को संतुष्ट कर सके

(क) प्राचीन समय में तथा पूर्वदेशीय संस्कृति में ।

(ख) जहां कहीं भी इसे किसी भी युग तथा संस्कृति में स्वीकार कर लिया जाये ।

उत्तर ३४	विभिन्न भाषाओं में अनुवाद
(क) परमेश्वर का वचन संसार के हर व्यक्ति के लिये है, वह चाहता है कि वचन उसे उस भाषा में मिले जिसे वह समझता है।	प्रत्येक देश में विद्वान निरंतर अध्ययन से बाइबल के मूल भाषाओं में दिये गए सही ठीक ठीक अर्थ का पता लगाने हेतु प्रयास-शील हैं।
उत्तर ९४	**सामान्य भविष्यद्वक्ता**
होशे, योएल, आमोस, ओबद्याह, योना, मीका, नहूम, हबक्कूक, सपन्याह	यहूदियों के बाबुल से पलिस्तीन लौट आने पर, परमेश्वर ने हाग्गै तथा यशायाह के द्वारा मन्दिर के पुनः निर्माण के लिये लोगों को प्रेरित किया।
उत्तर १५५	**श्रेष्ठता**
(ख) जहां कहीं भी इसे किसी भी युग तथा संस्कृति में स्वीकार कर लिया जायें।	बाइबल के गहन सत्य का सरल भावों में लिखे होने के कारण बालक भी इसके पढ़ने का आनन्द उठा सकते हैं जबकि विद्वान इसकी गहराई का अनुमान नहीं लगा पाते।

प्रश्न ३५

विभिन्न भाषाओं के विद्वान निरन्तर अध्ययन करके यह मालूम करने का यत्न कर रहे हैं कि :

(क) बाबुल यरूशलेम से कितनी दूर है ।

(ख) नवीन वैज्ञानिक आविष्कार की खोज कैसे करें ।

(ग) मूल भाषाओं में बाइबल का सही अर्थ क्या है ।

प्रश्न ९५

तीन भविष्यद्वक्ताओं में से जो बाबुल की बन्धुआई के बाद रहे, वे कौन से भविष्यद्वक्ता थे जिन्होंने लोगों को मन्दिर के पुनः निर्माण के लिये प्रेरित किया ?

(क) नहूम तथा सपन्याह

(ख) हाग्गै तथा जकर्याह

(ग) यहेजकेल तथा मलाकी

प्रश्न १५६

इस बात में हम बाइबल की श्रेष्ठता देखते हैं :

(क) गहन सत्यों का सरल भावों में प्रस्तुतीकरण ।

(ख) केवल विद्वान इसको पढ़कर इसका आनन्द ले सकते हैं ।

(ग) साधारण सत्यों का गहन प्रस्तुतीकरण ।

उत्तर ३५	विभिन्न भाषाओं में अनुवाद
(ग) मूल भाषाओं में बाइबल का सही अर्थ क्या है ।	आजकल के अनेक अनुवादक अपने अनुवादों में आधुनिक समय में प्रचलित भाषा के वाक्यशैली को प्रयोग कर रहे हैं ताकि सभी लोग बाइबल को सरलता से समझ सकें ।
उत्तर ९५	**सामान्य भविष्यद्वक्ता**
(ख) हाग्गै तथा जकर्याह	मलाकी पुराने नियम का अन्तिम भविष्यद्वक्ता था । यह प्रभु यीशु के जन्म से ४०० वर्ष पूर्व आया । मलाकी ३:८-१२ में उसका दशमांस के विषय दिया संदेश पढ़ें ।
उत्तर १५६	**श्रेष्ठता**
(क) गहन सत्यों का सरल भावों में प्रस्तुतीकरण	अगर आप बाइबल को १०० बार भी पढ़ें, आप को हर बार किसी नई बात से पढ़ने का आनन्द मिलेगा, जिस पर पहले आपका ध्यान न गया होगा । अपनी पुस्तक के द्वारा परमेश्वर आप से बोलता रहता है ।

प्रश्न ३६

अनेक अनुवादों में आधुनिक भाषा के प्रयोग का उद्देश्य यह है कि :

(क) आधुनिक शिक्षक प्रसन्न हों।

(ख) सभी बाइबल को सरलता से समझ सकें।

(ग) पुस्तकों की छपाई करने में सरलता हो।

प्रश्न ९६

जाने वाला इतिहास मलाकी तथा प्रभु यीशु के जन्म के बीच कुछ इतिहासिक पुस्तकों में पाया जाता है जिसको हम अपाक्रिफ़ा (Apocrypha) कहते हैं। इस काल में पुराने नियम तथा नये नियम के बीच कितने वर्षों का अन्तर है ?

(क) ४०

(ख) २५०

(ग) ४००

प्रश्न १५७

वह पुस्तक उत्तम समझी जाएगी जो कई बार पढ़ने के बाद भी अरुचिकर न बने। जो बाइबल को पढ़ते हैं वे जानते हैं कि

(क) दो बार पढ़ने के बाद यह अरूचिकर हो जाती है।

(ख) नये सत्यों तथा आनन्द का अनन्त स्रोत मिल जाता है।

उत्तर ३६

(ख) सभी बाइबल को सरलता से समझ सकें।

विभिन्न भाषाओं में अनुवाद

सभी तरह के अनुवाद चाहे वे पुराने हों अथवा नये, मूल रूप में एक ही हैं। हर एक अनुवाद यूनानी तथा इब्रानी भाषा में प्रयुक्त मूल शब्द का सही अर्थ देने का प्रयास करता है।

उत्तर ९६

(ग) ४००

पुराना नियम

इस तरह से पुराने नियम के विवरण का अन्त हो जाता है जिसमें परमेश्वर के अपने लोगों के साथ किये गए व्यवहार की चर्चा है। वे पुरानी वाचा के अन्तर्गत रहे जबकि वे मसीह के आने तथा परमेश्वर द्वारा किये गये उपाय की प्रतीक्षा करते थे।

उत्तर १५७

(ख) नये सत्यों तथा आनन्द का अनन्त स्रोत।

श्रेष्ठता

बाइबल का अधिकृत प्रकाशन अन्य पुस्तकों में लिखे मनुष्य के विकास के सिद्धान्तों तथा उसके धार्मिक स्वभाव के विषय बताए गये अनुमानों से कहीं अधिक **श्रेष्ठ** है।

प्रश्न ३७

सभी भाषा-अनुवादों के लिये परमेश्वर का धन्यवाद हो। एक दूसरे के तुलनात्मक अध्ययन से हम बाइबल को और अधिक समझ सकते हैं क्योंकि सभी अनुवादक हमें मूल इ····· या यू····· भाषा का सही अर्थ देने का प्रयास करते हैं।

प्रश्न ९७

सामान्य भविष्यद्वक्ताओं का पुनर्निरीक्षण कर लें जब तक कि आपको उन्हें उसी क्रम में सरलता से दोहराने तथा निकालने का अभ्यास न हो जाए। पुराने नियम की अन्य पुस्तकों का भी पुनर्निरीक्षण कर लें जब तक कि आप उन्हें सरलता से निकालने के लिये अभ्यस्त न हो जायें।

प्रश्न १५८

वह अधिकार तथा विश्वास जो कि बाइबल में उन बातों के विषय मिलता है जो केवल परमेश्वर ही जान सकता है, हमें यह अनुभव कराता है कि

(क) यह अन्य दूसरी पुस्तकों की तरह है जिसमें अनुमान तथा बदलते हुए सिद्धांतों की चर्चा है।

(ख) लेखकों को प्रेरणा मिली थी तथा उन्होंने अनुमान द्वारा नहीं लिखा।

उत्तर ३७

इब्रानी

यूनानी

विभिन्न भाषाओं में अनुवाद

हिन्दी भाषा में सम्पूर्ण बाईबल अथवा बाईबल की पुस्तकों के पृथक अशों को प्राप्त करने के लिये स्थानीय गिरजाघरों या बाईबल समिति से सम्पर्क किया जा सकता है।

छठवाँ अध्याय

नये नियम की पुस्तकें

उत्तर १५८

(ख) लेखकों को प्रेरणा मिली थी और उन्होंने अनुमान द्वारा नहीं लिखा।

श्रेष्ठता

जो नियम तथा व्यवस्था मूसा को परमेश्वर से मिले वे उस समय के सभी नियमों से कहीं अधिक उत्तम थे। आज बहुत सी सरकारें उन्हीं नियमों तथा सिद्धान्तों पर आधारित हैं।

प्रश्न ३८

हिन्दी भाषा में बाइबल कहां उपलब्ध है ?

(क) पोस्ट ऑफ़िस ।

(ख) बाइबल समिति ।

(ग) स्थानीय विद्यालय ।

कार्य ९८

अपने हाथ की रेखा चित्र बना कर जैसे पृष्ठ ११७ पर बताया गया इसे उतार लें। अगले पृष्ठ पर दिये हुए नकशे को पढ़ें और फिर अपनी बाइबल में की नये नियम की विषय सूचि देखकर उसका वर्गीकरण कर लें।

प्रश्न १५९

सच्चाई यह है कि आधुनिक सरकारें मूसा की व्यवस्था की उत्तमता को स्वीकार करती हैं तथा अपने संविधान को उस पर आधारित करती हैं। यह तथ्य इस बात का प्रमाण है कि :

(क) मूसा को व्यवस्था परमेश्वर द्वारा मिली।

(ख) व्यवस्था मूसा के कहने को विपरीत परमेश्वर द्वारा नहीं मिली।

उत्तर ३८

(ख) बाइबल समिति

बाईबल समिति से पत्र-व्यवहार का पता है :

बाइबल समिति

१४ थार्नहिल रोड

इलाहाबाद, यू०पी०–२११००३

बाईबल के मूल्य का पता लगाने हेतु पत्र-व्यवहार करें ।

सुसमाचार		पत्र : पौलूस प्रेरित का पत्र		सामान्य पत्र	
मत्ती	इतिहास	रोमियों	फिलिप्पियों	याकूब	प्रकाशितवाक्य
मरकुस	प्रेरितों के काम	१ तथा २ कुरिन्थियों	कुलुस्सियों	१ तथा २ पतरस	भविष्यद्वाणी
लूका		गलतियों	१ तथा २ थिस्सलुनीकियों	१,२, तथा ३ यूहन्ना	
यूहन्ना		इफिसियों	१ तथा २ तीमुथियुस	यहूदा	
		फिलिप्पियों	तीतुस		
		कुलुस्सियों	फिलेमोन		
		१ तथा २ थिस्सलुनीकियों	इब्रानियों		
		१ तथा २ तीमुथियुस			
		तीतुस			
		फिलेमोन			
		इब्रानियों			

उत्तर १५९

(क) यह इस बात का प्रमाण है कि मूसा को व्यवस्था परमेश्वर द्वारा मिली ।

श्रेष्ठता

बाइबल की श्रेष्ठता मनुष्य द्वारा निर्मित किसी भी वस्तु से सर्वश्रेष्ठ रही है । अतः हमारा विश्वास है कि इसमें प्रस्तुत विचारों का स्रोत अलौकिक है ।

प्रश्न ३६

बाइबल समितियों तथा उनके अनुवाद, प्रकाशन तथा वितरण के कार्य के लिये प्रार्थना करें। परमेश्वर को धन्यवाद दें कि उसने अपने वचन को आपकी भाषा में उपलब्ध कराया।

इस अध्याय के लिये अपना "छात्र-विवरण" भर दें।

प्रश्न ६६

रिक्त स्थानों को भर दें :

सुस..........................	४	पुस्तकें
इति..........................	१	पुस्तक
पौलुस प्रेरित के..............	१४	पुस्तकें
सामान्य प....................	७	पुस्तकें
भवि..........................	१	पुस्तक
योग	२७	पुस्तकें।

प्रश्न १६० रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :

प्र..........................

वि.............. तथा ए.......

नौ तु..........................

ख..........................

प्रमाण : श्रे..........................

लेखक का नाम

भविष्यद्वाणियों का पूरा होना

विकल्पों का अस्वीकार करना

स्थिरता

चौथा अध्याय

बाइबल में जो आप जानना चाहते हैं उसे कैसे खोजें

उत्तर ९९	चार सुसमाचार
सुसमाचार इतिहास पत्र पत्र भविष्यद्वाणी	मत्ती, मरकुस, लूका तथा यूहन्ना ने इन सुसमाचारों में प्रभु यीशु के जीवन के विषय लिखा। यह पुस्तकें उन लेखकों के नाम पर हैं। प्रत्येक ने विभिन्न बातों पर ध्यान खींचा है या बल डाला है।
उत्तर १६०	**लेखक का नाम**
प्रभाव विविधता, एकता त्रुटिहीनता खोज श्रेष्ठता	यदि किसी महत्वपूर्ण तथा विश्वसनीय पुस्तक में उसके लेखक का नाम दिया जाता हो तो हमें लेखक के नाम का विश्वास हो जाता है। बाइबल परमेश्वर को अपने वास्तविक लेखक के रूप में दर्शाती है तथा बताती है कि उसने किस तरह इसको प्रेरित किया।

प्रश्न तथा कार्य ४०

बाइबल की पुस्तकें अध्यायों और पदों में बंटी हैं ताकि हम सरलता से जो आनन्द चाहते हैं उसे खोज लें । बाइबल में पहली पुस्तक उत्पत्ति को देखें । उत्पत्ति की पुस्तक में कितने अध्याय हैं ?

प्रश्न तथा कार्य १००

सुसमाचार के ये लेखक "चार प्रचारकों" के नाम से भी जाने जाते हैं । वे हैं म·····म·····लू····· तथा यू····· । इन चारों सुसमाचार को निकालने के लिये बाइबल खोलकर अभ्यास करें ।

कार्य १६१

(यहां दो शब्द)

"हर एक ····· ····· की प्रेरणा से रचा गया ।"
२ तीमुथियुस ३ : १६

क्योंकि कोई भविष्यद्वाणी ····· की इच्छा से कभी नहीं हुई, पर भक्त जन ·····के द्वारा उभारे जाकर····· की ओर से बोलते थे ।" २ पतरस १:२१

उत्तर ४०	बाइबल-सन्दर्भ
पचास	बाइबल का पढ़ा जाने वाला अंश छोटे-छोटे भागों में बाँटकर बांई ओर अंकित कर दिया जाता है । इनको पद कहते हैं ।

उत्तर १००	चार सुसमाचार
मत्ती मरकुस लूका यूहन्ना	**मत्ती** ने प्रभु यीशु को **राजा** अथवा मसीहा के रूप में दर्शाया है । पुराने नियम की भविष्यद्वाणियों का उल्लेख करते हुए उसने बताया है कि किस तरह से यीशु ने शास्त्रों को पूरा किया ।

उत्तर १६१	भविष्यवाणियों का पूरा होना
पवित्रशास्त्र परमेश्वर मनुष्य पवित्र आत्मा परमेश्वर	पुस्तक के मध्य भाग में पृष्ठ ५० से ८४ तक भविष्यद्वाणी की पुस्तकों का पुनः निरीक्षण कर लें । इन भविष्यद्वाणी के पूर्ण हो जाने के कारण इनके प्रेरणा युक्त होने का पता चल जाता है ।

कार्य तथा प्रश्न ४१

बाइबल में आप उत्पत्ति के पहले अध्याय को देखें। क्या वह अंकित पदों में बटा हुआ है ? उत्पत्ति के पहले अध्याय में कितने पद हैं ?

प्रश्न १०१

एक उत्तर चुनकर रेखांकित करें :

कौन सा सुसमाचार है जो प्रभु यीशु के प्रतिज्ञा किये गये राजा के रूप में आने की बहुत सी भविष्यद्वाणियों का उल्लेख करता है ?

(क) मत्ती
(ख) मरकुस
(ग) लूका
(घ) यूहन्ना

कार्य तथा प्रश्न १६२

ओबद्याह १ : १; मीका १ : १; नहूम १ : १ तथा हबक्कूक १: १; २ : २ पढ़ें। प्रत्येक भविष्यद्वक्ता बताता है कि भविष्यद्वाणीयां उसके ऊपर आईं

(क) एक प्रबल प्रभाव के रूप में।
(ख) दर्शन के रूप में जो परमेश्वर ने उन्हें भविष्य की घटनाओं के विषय दिखाया।
(ग) संसार की परिस्थितियों का अध्ययन करने से।

उत्तर ४१ इकत्तीस	**बाइबल सन्दर्भ** हम बाइबल के किसी भी पद का उल्लेख कर सकते हैं : हम पहले पुस्तक का नाम लें; फिर कौनसा अध्याय और अन्त में कौन सा पद । इसी को सन्दर्भ कहेंगे ।
उत्तर १०१ (क) मत्ती	**चार सुसमाचार** **मरकुस** ने रोमियों को लिखा जो वचन के विषय नहीं जानते थे । मरकुस अपने सुसमाचार में परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीह के शक्ति पूर्ण कार्यों की चर्चा करता है ।
उत्तर १६२ (ख) दर्शन के रूप में जो परमेश्वर ने उन्हें भविष्य की घटनाओं के विषय दिखाया	**भविष्यवाणी का पूरा होना** जिस तरह से चल चित्रों में चित्र देखते हैं उसी तरह से भविष्यद्वक्ताओं ने राज्यों के उत्थान और पतन, यरूशलेम के विनाश और पुनर्निर्माण, तथा भविष्य में होने वाली घटनाओं को देखा ।

कार्य तथा प्रश्न ४२

अपने बाइबल में उत्पत्ति की पुस्तक, उसका दूसरा अध्याय तथा १७ वां पद निकालें : यह इस तरह शुरू होता है :

(क) हर पाक जानवर·····

(ख) और परमेश्वर ने अकाश की रचना·····

(ग) पर भले या बुरे ज्ञान का जो वृक्ष·····

(घ) और भूमि·····

प्रश्न १०२

मरकुस का सुसमाचार किस बात से भरा है ?

(क) पुराने नियम की भविष्यद्वाणियों से

(ख) प्रभु यीशु के सुसंदेश से

(ग) प्रभु यीशु के शक्ति पूर्ण कार्यों से

(घ) प्रभु यीशु की ईश्वरीयता के प्रमाण

कार्य तथा प्रश्न १६३

मीका १ : १; ३ : ८—१२; ४ : १०; ५ : ११—१४ पढ़ें।

इब्रानियों को बाबुल की बन्धुआई में मूर्त्ती पूजा करने के अपराध में ले जाया गया था, जैसा कि भविष्यद्वक्ताओं ने कहा भी था। वहाँ पर उन्होंने अपनी मूर्त्ति पूजा हमेशा के लिये त्याग दी जैसा कि मीका···· में भविष्यद्वाणी भी की गई थी।

उत्तर ४२	बाइबल सन्दर्भ
(क) पर भले या बुरे ज्ञान का जो वृक्ष · · · ·	जो सन्दर्भ आपने अभी पढ़ा है उत्पत्ति २:१७ के रूप में लिखा जाएगा। हम अध्याय की संख्या तथा पद की संख्या के बीच विसर्ग चिन्ह (:) लगाते हैं।
उत्तर १०२	**चार सुसमाचार**
(ग) प्रभु यीशु के शक्तिपूर्ण कार्यों से।	लूका ने जो एक वैद्य था अपने सुसमाचार को अपने एक यूनानी मित्र के लिये लिखा। उसने मसीह के सिद्ध व्यक्तित्व पर बल डाला और उसे परमेश्वर के पुत्र के रूप में प्रस्तुत किया है।
उत्तर १६३	**भविष्यद्वाणी का पूरा होना**
मीका ५:१३	यशायाह ने बाबुल की इस बन्धुआई के विषय में भविष्यद्वाणी की थी। उसने कहा था कि मादी लोग बाबुल को विजय कर लेंगे, और बाद में कुस्रू नामक अधिपति मन्दिर के फिर बनने की आज्ञा देगा।

कार्य तथा प्रश्न ४३

अब नये नियम की पहली पुस्तक का यह सन्दर्भ पढ़ें : मत्ती १ : २१ ।

इस पद का विषय है :

(क) प्रभु यीशु और उसके शिष्य

(ख) प्रभु यीशु की वंशावली

(ग) प्रभु यीशु का जन्म

कार्य तथा प्रश्न १०३

लूका १ : १—४ पढ़ें । यहां हम पाते हैं कि लूका के लेख का आधार यह है :

(क) इधर उधर से सुनी अफवाह ।

(ख) शिष्य के रूप में उसके व्यक्तिगत अनुभव ।

(ग) तथ्यों की सावधानी के साथ जांच पड़ताल जो अवसर पर उपस्थित गवाहों के साथ उसने विचार विमर्श करके किया था ।

(घ) प्रचलित हो गई कहानियां

कार्य तथा प्रश्न १६४

पढ़िये : यशायाह १३ : १; १७—२२; ४४ : २८; ४५ : १—४; एज्रा १ : १—४; यिर्मयाह २५ : १—१४; २६ : १०—१४ । राजा कुस्त्रु ने ठीक वही किया जैसा की यशायाह ने राजा कुस्त्रू के जन्म से १५० वर्ष पूर्व की गई अपनी भविष्यद्वाणी में कहा था । बन्धुआई ७० वर्ष तक चली; ठीक जैसा कि.....ने भविष्यद्वाणी की थी ।

उत्तर ४३	सन्दर्भ
(ग) प्रभु यीशु का जन्म	किसी पुस्तक के नाम से पहले जो संख्या लिखी हो हम पहला, दूसरा, या तीसरा शब्द लगाकर बोलते हैं । १ तीमुथियुस, २:८ को पढ़ने के लिये कहेंगे : पहला तीमुथियुस दो, आठ ।
उत्तर १०३	**चार सुसमाचार**
(ग) तथ्यों की सावधानी के साथ जाँच पड़ताल जो अवसर पर उसने उपस्थित गवाहों के साथ विचार विमर्श करके किया था ।	यूहन्ना ने प्रभु यीशु के परमेश्वर के पुत्र होने के प्रमाण दिये हैं और यह भी प्रकट किया है कि जो उस पर विश्वास करते हैं अनन्त जीवन पाएंगे ।
उत्तर १६४	**भविष्यद्वाणी का पूरा होना**
यि र्मयाह	मनुष्य अपनी सामर्थ से भविष्य की घटनाओं की सत्यता के विषय नहीं बता सकता । यदि बाइबल की सत्यता के विषय में कोई तर्क संगत व्याख्या हो सकती है तो वह यही है कि इसमें की गई भविष्यद्वाणियों का स्रोत अलौकिक है ।

कार्य तथा प्रश्न ४४

अब पुराने नियम का पहला अध्याय निकाल कर पढ़ना शुरू कर दें जब तक आप उस पद तक न पहुँच जाएं जहाँ पर यह लिखा है : "तब परमेश्वर ने कहा, उजियाला होः तो उजियाला हो गया ।" इस गद्य का संदर्भ लिखें ।

प्रश्न तथा कार्य १०४

यूहन्ना ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसके लिखने का अभिप्राय यह था कि पढ़ने वाले यीशु मसीह को

(क) सिद्ध पुरुष समझ कर उस के उदाहरण का अनुसरण करें ।

(ख) परमेश्वर का पुत्र समझकर उस पर विश्वास करें और अनन्त जीवन पाएं ।

कार्य १६५

मत्ती १:२२; २:४–६, १६-१८; ३:१-३; ४:१२-१६; ८:१६, १७; यशायाह ५३; प्रेरितों के काम २:१४-२१, ३१; ३:१८ पढ़ें । मसीह के लिये की कितनी भविष्यद्वाणियां प्रभु यीशु में पूरी हुईं । कलीसिया के विषय में कुछ अब पूरी हो रही हैं, जबकि कुछ भविष्य के लिये शेष हैं ।

उत्तर ४४

उत्पत्ति १:३

सन्दर्भ

पूरे अध्याय, अथवा अध्यायों का सन्दर्भ देने के लिये हम विसर्ग के चिन्ह का प्रयोग नहीं करते। उत्पत्ति १, २ का अर्थ है, उत्पत्ति के पहले २ अध्याय ।

उत्तर १०४

(ख) परमेश्वर का पुत्र समझकर उस पर विश्वास करें और अनन्त जीवन पाएं ।

चार सुसमाचार

मत्ती, मरकुस तथा लूका सदृश समाचार कहलाते हैं। ये घटनाओं के विवरण में अनुरूप हैं। साथ मिलकर यह प्रभु यीशु के जीवन का सार प्रस्तुत करते हैं ।

विकल्पों का अस्वीकार करना

कोई कार्य किसके द्वारा किया गया है इसकी खोज करने का एक तरीका यह है कि सभी सम्भावनाओं पर विचार करके सबसे असंगत लगने वाली बातों को हटा दिया जाये ।

प्रश्न तथा कार्य ४५

बाइबल के अन्तिम अध्याय को खोज कर सन्दर्भ बताएं।

प्रश्न १०५

प्रत्येक रिक्त स्थान में उस सुसमाचार का नाम लिखें जिसमें प्रभु यीशु मसीह की इस विशेषता की चर्चा की गई है :

राजा.....

परमेश्वर का दास.....

मनुष्य का पुत्र.....

परमेश्वर का पुत्र.....

कार्य १६६

निम्न सम्भावनाओं, अथवा विकल्पों में से चुनें कि बाइबल के लेखक कैसे लोग थे :

(क) अच्छे, बुरे या छली लोग जो अपने विचारों को लिख रहे थे।

(ख) शैतान द्वारा प्रेरित किये गये लोग।

(ग) परमेश्वर द्वारा प्रेरित किये गये लोग।

उत्तर ४५

प्रकाशितवाक्य २२

सन्दर्भ

हम किसी अध्याय के पदों के बीच में कॉमा (,) लगा देते हैं यदि पदों का क्रम लगातार न हो।

उत्पत्ति १:१, २, ४

उत्तर १०५

राजा : मत्ती

सेवक : मरकुस

मनुष्य का पुत्र : लूका

परमेश्वर का पुत्र : यूहन्ना

इतिहास की पुस्तक

लूका ने प्रेरितों के काम नामक पुस्तक लिखी यह बताने को कि किस तरह से मसीह ने अपने जाने के बाद पवित्र आत्मा को भेजा ताकि वह यीशु के किये कार्य को करता रहे।

अस्वीकार करना

बाइबल के लेखक यह कहते हैं कि उनको परमेश्वर से प्रेरणा मिली। अच्छे लोग यह नहीं कहेंगे यदि उन्हें मालूम हो कि यह गलत बात है। वे ऐसा तभी करेंगे जब कि वे छली हों या गलती पर हों।

प्रश्न ४६

मत्ती के दूसरे अध्याय के पहले और पांचवें पद का सन्दर्भ लिखें ।

कार्य १०६

मुख्य पद प्रेरितों के काम १:८ है । इसे कंठस्थ करें ।

"परन्तु जब पवित्र -आत्मा तुम पर आएगा तो तुम सामर्थ पाओगे, और यरूशलेम और सारे यहूदिया और सामरिया में और पृथ्वी के छोर तक मेरे गवाह होंगे ।"

प्रश्न १६७

हम इस बात की संभावना को त्याग देते हैं कि अच्छे लोगों ने **बाइबल** को अपने ही आधार पर लिखा ।

(क) क्योंकि भले लोग यह नहीं कहेंगे कि परमेश्वर ने उनको प्रेरणा दी है यदि उन्हें मालूम हो कि यह सही नहीं है ।

(ख) क्योंकि भले लोग इस तरह की पुस्तक नहीं लिखेंगे ।

उत्तर ४६

मत्ती २:१,५

सन्दर्भ

अन्तिम दो पदों के बीच में यदि कॉमे का प्रयोग हुआ हो तो उस संदर्भ को "तथा" लगा कर बोलें । मत्ती २:१, ५, ६ को कहेंगे "मत्ती दो, एक, पांच और छः । "

इतिहास की पुस्तक

"प्रेरित" का अर्थ है, "भेजा गया" अथवा 'जिसे भेजा गया ।' प्रेरितों के काम की पुस्तक से पता चलता है कि किस प्रकार से इन "भेजे गए" लोगों ने प्रभु के सुसमाचार को संसार में फैलाया ।

उत्तर १६७

(क) क्योंकि भले लोग यह नहीं कहेंगे कि परमेश्वर ने उन्हें प्रेरणा दी है, यदि उन्हें मालूम हो कि यह सही नहीं है ।

अस्वीकार करना

बाइबल में पाई जाने वाली बुद्धि, श्रेष्ठता तथा त्रुटिहीनता असन्तुलित तथा अस्थिर मस्तिष्कों का कार्य नहीं । भले लोग यदि वे बहकाए हुए होते तो ऐसा नहीं लिख पाते ।

प्रश्न ४७

आप यूहन्ना ३ : १,२,१० को कैसे पढ़ेंगे ?

(क) यूहन्ना तीन, एक, दो, दस ।

(ख) यूहन्ना, तीसरा अध्याय पहला पद, दूसरा पद तथा दसवां पद ।

(ग) यूहन्ना तीन, पहला, दूसरा तथा दसवां पद ।

(घ) यूहन्ना तीन, पहला तथा दूसरा तथा दसवां पद ।

प्रश्न १०७

"प्रेरितो के काम" नामक शीर्षक से हमारा अभिप्राय है :

(क) उत्तराधिकारियों के काम ।

(ख) भेजे हुए लोगों के काम

(ग) प्रतिनिधियों के काम ।

(घ) अगुवाओं के काम ।

प्रश्न १६८

गलत संभावना को देखकर अस्वीकार करके ठीक उत्तर चुनें :

बाइबल के तथ्यों की उत्तमता देखकर हमें मालूम हो जाता है कि बाइबल

(क) भले आदमियों द्वारा परमेश्वर की प्रेरणा से लिखा गया ।

(ख) भले आदमियों द्वारा जिनके मस्तिष्क अस्थिर थे लिखा गया ।

उत्तर ४७	सन्दर्भ
(ग) यूहन्ना तीन, पहला, दूसरा तथा दसवां पद	यदि दो से अधिक पद लगातार हों तो हम बीच में (–) का चिन्ह लगा कर लिखेंगे । यूहन्ना १:१-३ उच्चारण में पढ़ेंगे, "यूहन्ना एक, एक से लेकर तीसरे पद तक ।"
उत्तर १०७	**इतिहास की पुस्तक**
(ग) भेजे हुए लोगों के काम	अन्य जातियों के प्रेरित पौलुस ने बहुत से देशों में सुसमाचार प्रचार किया । लूका ने भी उसके साथ कई महत्वपूर्ण भ्रमण किये तथा अपने धार्मिक तथा साहसिक कार्यों की चर्चा की है ।
उत्तर १६८	**अस्वीकार करना**
(ख) भले आदमियों द्वारा परमेश्वर की प्रेरणा से लिखा गया ।	बुरे लोग इतने सुन्दर तथा उत्तम विचारों को प्रस्तुत **नहीं कर सकते थे** और न ही वे अपने पापों के कारण अपने को दोषी ठहराते जैसा कि बाइबल के लेखक करते हैं ।

प्रश्न तथा कार्य ४८

मत्ती १ : १-४ नये नियम के पहले चार पदों का सन्दर्भ है । निम्न संदर्भों को बाइबल में तलाश करके हर एक में पदों की संख्या बताएं ।

(क) उत्पत्ति ८ : १८-२२ में ..... पद पढ़ना हैं

(ख) उत्पत्ति ८ : १८, २२ में ..... पद पढ़ना है

प्रश्न १०८

लू..... एक वैद्य तथा ऐतिहासिक लेखक थे । वह पौलुस प्रेरित के साथ जो अ..... का प्रेरित कहलाता है धर्म प्रचार के लिये गये । इन्होंने इस बात का उल्लेख किया है कि किस प्रकार से पवित्र-आत्मा ने पौलूस को बहुत से देशों में मसीही कलीसिया स्थापित करने हेतु प्रयोग किया ।

प्रश्न १६९

हम उस विचार को अस्वीकार कर देते हैं कि बुरे लोगों ने बाइबल को लिखा क्योंकि यह असंभव है कि

(क) वे इतने अच्छे इतिहास लेखक हों ।

(ख) वे इतने अच्छे विचार प्रस्तुत करें या अपने कार्यों के लिये स्वयं को दोषी ठहरायें ।

(ग) वे धर्म के विषय में लिखें ।

उत्तर ४८

पांच

दो

सन्दर्भ

एक से अधिक अध्यायों को अर्ध विराम (;) के चिन्ह से अलग करते हैं। मत्ती १:२१; १:१-६ सात पदों का सन्दर्भ है जो दो अध्यायों में लिखी हैं।

उत्तर १०८

लूका

अन्य जातियों

पौलुस प्रेरित के पत्र

पौलुस प्रेरित के १३ या १४ लेख पत्रों के रूप में हैं जो उन्होंने अपने द्वारा स्थापित कलीसियाओं को लिखे। हम इस के बारे में निश्चित रूप से नहीं कह सकते कि उन्होंने इब्रानियों को लिखा अथवा नहीं लिखा।

उत्तर १६६

(ख) वे इतने अच्छे विचार प्रस्तुत करें तथा अपने कार्यों के लिये स्वयं को दोषी ठहराएं

अस्वीकार करना

मनुष्य के पास भविष्य को ठीक रूप में जानने की सामर्थ न होने के कारण हम यह निश्चय से कह सकते है कि कोई भी भविष्यद्वक्ता आलौकिक प्रेरणा के बिना इस तरह का कार्य नहीं कर सकता।

प्रश्न तथा कार्य ४६

तलाश करके मत्ती १ : २१; २ : १; ३ : १३, १६ पढ़े । इन चार पदों से किन लोगों का पता चलता है :

(क) प्रभु यीशु, फरीसी, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला तथा शिष्य

(ख) प्रभु यीशु, ज्योतिषी, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला तथा पवित्र आत्मा

(ग) प्रभु यीशु, यूसुफ तथा गड़रिये

कार्य १०६

पौलुस प्रेरित के पत्रों की इस सूची को उतार लें :

रोमियों
१ तथा २ कुरिन्थियों
गलतियों
इफिसियों
फिलिप्पियों
कुलुस्सियों
१ तथा २ थिस्सलुनीकियों
१ तथा २ तीमुथियुस
तीतुस
फिलेमोन
इब्रानियों

प्रश्न १७०

बाइबल की भविष्यद्वाणियों का ठीक ठीक घट जाने के कारण हमें ज्ञात है कि निम्नलिखित बाइबल के लेखक के विषय के विचारों में से कौन से विचार का परित्याग करना होगा :

(क) वे अच्छे बुरे तथा भ्रम के शिकार व्यक्ति थे जो अपने विचारों को प्रस्तुत कर रहे थे ।
(ख) वे परमेश्वर के सच्चे और प्रेरित लोग थे ।
(ग) वे अच्छे व्यक्ति थे जिन्हें परमेश्वर ने प्रेरणा दी थी ।
(आप कौन सा विचार अस्वीकार करेंगे ?)

प्रश्न ४६

(ख) प्रभु यीशु, ज्योतिषी, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला तथा पवित्र-आत्मा

हाशिये पर लिखे सन्दर्भ

कुछ बाइबलों में छोटे अक्षरों में सन्दर्भ पृष्ठ के दाहिने या बाँईं ओर, बीच में या नीचे दिये जाते हैं। यह सन्दर्भ उसी विषय पर दूसरे पदों की खोज में मदद करते हैं।

वे लोग जिन्होंने शास्त्र की प्रतिलिपियां बनाईं शास्त्री कहलाये।

पौलुस प्रेरित के पत्र

उन दिनों में छापे खाने न होने के कारण पत्रों को एक कलीसिया से दूसरी कलीसिया में भेज दिया जाता था। हर जगह पर सदस्य अध्ययन करने और रखने के उद्देश्य से उनकी प्रतिलिपि बना लेते थे।

उत्तर १७०

(क) अच्छे, बुरे तथा भ्रम के शिकार व्यक्ति थे जो अपने विचारों को प्रस्तुत कर रहे थे। हम यह कथन अस्वीकार करते हैं)

अस्वीकार करना

बाइबल बुराई के विरोध में लड़ाई करती, शैतान को अपराधी ठहराकर उसकी अन्तिम पराजय तथा दण्ड की चर्चा करती है। शैतान किसी भी मनुष्य को इस तरह की बात लिखने को प्रेरित नहीं करेगा।

प्रश्न ५०

बाइबल में शब्दों के पास लिखा हुआ कोई छोटा अक्षर आपकी मदद करता है कि हाशिये में आप उसी अक्षर को देखें । इनकी मदद से आप को सन्दर्भ मिलेंगे जो :

(क) उसी विषय पर **बाइबल** के अन्य पद बताएंगे ।

(ख) उस विषय पर पढ़ने के लिये पुस्तकें बताएंगे ।

प्रश्न ११०

इस लिये कि हर कलीसिया को पौलुस प्रेरित के पत्रों की प्रतिलिपि मिल सके :

(क) उन्हें छाप कर डाक द्वारा कलीसियाओं को भेजा गया ।

(ख) उन्हें हाथ से लिखा गया क्योंकि छापे खाने नहीं थे ।

(ग) उनका चित्र खींच कर बाँट दिया गया ।

प्रश्न १७१

यह सोचना सर्वथा मूर्खता है कि शैतान ने बाइबल को प्रेरित किया क्योंकि वह :

(क) भविष्य की बातें पूरी तौर से देख सकता है ।

(ख) भविष्य का अपना विनाश मनुष्यों से लिखवाता है ।

(ग) वह भलाई के फलने तथा बुराई के दमन की बात नहीं करता जैसा कि बाइबल करता है ।

उत्तर ५०	शब्दानुक्रमणिका
(क) उसी विषय पर धर्मशास्त्र के अन्य पद बताएंगे	सदृशता (कनकॉरडेन्स) बाइबल में आये विशेष शब्दों का वर्णमाला के क्रमानुसार बनी सूची है। हर शब्द के नीचे सन्दर्भ हैं कि इस की चर्चा उत्पत्ति से लेकर प्रकाशित वाक्य तक कहाँ-कहाँ पर उल्लिखित है।
उत्तर ११०	**पौलुस प्रेरित के पत्र**
(ख) उन्हें हाथ से लिखा गया क्योंकि छापे खाने नहीं थे।	रोमियों में उद्धार की बड़ी स्पष्ट तथा प्रभावपूर्ण व्याख्या है। विश्वास द्वारा धर्मी ठहरना पुस्तक का सार है।
उत्तर १७१	**अस्वीकार करना**
(ग) वह भलाई के फलने तथा बुराई के दमन की बात नहीं करता जैसा कि बाइबल करता है।	विकल्पों के अस्वीकार कर देने की युक्तिपूर्ण विधि के द्वारा हम इस निर्णय पर पहुंचते हैं कि परमेश्वर के द्वारा प्रेरित किये गये मनुष्य ही बाइबल के लेखक हो सकते हैं।

कार्य ५१

अपने बाइबल में देखें कि उसमें शब्दानुक्रमणिका और हाशिये में सन्दर्भ है अथवा नहीं। ये टीकाएं शिक्षकों, प्रचारकों तथा जो प्रभु की सेवा में आने की तैयारी कर रहे हैं सब के लिये बड़ी लाभ-प्रद हैं।

इस पाठ के लिये अपना "छात्र-विवरण" भर दे।

प्रश्न १११

नये नियम के बीच में रोमियों को तलाश करें। रोमियों ५ : १ का मुख्य पद पढ़कर रेखांकित करें। यहाँ पता चलता है कि कोई मनुष्य उद्धार यानी परमेश्वर के साथ सही सम्बन्ध, इस रीति से पा सकता है :

(क) कलीसिया के रीति-रिवाज मानने से।

(ख) प्रभु यीशु पर विश्वास करने से।

कार्य १७२

विकल्पों के अस्वीकार करने वाले स्थलों का पुनःनिरीक्षण करके इस विधि तथा तर्क को बाइबल की प्रेरणा हेतु प्रयोग करें। विकल्पों को लिख दें जैसा कि कक्षा पढ़ाते समय किसी श्याम पट पर किया जाता है और उनको समझाते समय मिटाते चले जाएं।

पाँचवाँ अध्याय

पुराने नियम की पुस्तकें

उत्तर १११

(ख) प्रभु यीशु पर विश्वास करने से।

पौलुस प्रेरित के पत्र

पौलुस ने १ तथा २ कुरिन्थियों उस कलीसिया को लिखा जिसे उसने कोरिन्थ में स्थापित किया था। यह पत्र कलीसिया की सिद्धान्तों और आचरणों से सम्बन्धित समस्याओं के विषय में है।

स्थिरता

बाइबल के कुछ अंश ३,५०० वर्ष पुराने हैं। जो नये हैं उन्हें भी लगभग १,९०० वर्ष बीत गये। इनके जीवित या बचे रहने का कारण यह है कि परमेश्वर को अपने वचन की चिन्ता है।

कार्य ५२

बाइबल की पुस्तकों को याद रखने का सरल उपाय उनका वर्गीकरण करना है। अपना हाथ अपनी कॉपी पर रख कर दिये गये चित्र के समान हाथ के चारों ओर पेन्सिल से अपने हाथ का रूपरेखा चित्र बना लें। इसमें पुराने नियम की पुस्तकों के पांच खंड के नाम लिखें।

प्रश्न ११२

पौलुस प्रेरित ने एक पत्र यानि रो·····को विश्वास द्वारा उद्धार के बारे में तथा कु·····को स्थानीय कलीसिया की समस्याओं के विषय दो पत्र लिखे।

प्रश्न १७३

हम यह देखते हैं कि परमेश्वर ने अपने वचन को सुरक्षित रखा है क्योंकि हम आज भी उस पुस्तक को प्रयोग करते है जो कि

(क) १,६०० से ३,५०० वर्ष पूर्व लिखी गई।

(ख) १,६०० से २,००० वर्ष पूर्व लिखी गई।

(ग) ४०० से ५०० वर्ष पूर्व लिखी गई।

पुराना नियम

५ व्यवस्था की पुस्तकें

१२ ऐतिहासिक पुस्तकें

५ काव्य की पुस्तकें

५ प्रमुख भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें

१२ सामान्य भविष्यद्वक्ताओं की पुस्तकें

कुल पुस्तकें ३९ ।

उत्तर ११२

रोमियों

कुरिन्थियों

पौलुस प्रेरित के पत्र

गलतियों के नाम पत्र में वही सन्देश और सार है जो रोमियों में है--विश्वास द्वारा धार्मिक ठहराया जाना । इसमें इस बात पर बल डाला गया है कि भले कार्यों द्वारा उद्धार नहीं हो सकता ।

उत्तर १७३

(क) १,९०० से ३,५०० वर्ष पूर्व लिखी गई ।

स्थिरता

समय अधिकतर पुस्तकों का घोर शत्रु है । वे जल्दी ही पुरानी, अप्रचलित तथा अपनी प्रसिद्धि खो कर गायब हो जाती हैं, पर बाइबल पर यह बात लागू नहीं होती ।

कार्य ५३

आपकी बाइबल के शुरू ही में पुस्तकों का सूची क्रम दिया है। इनके वर्गीकरण के अनुसार रेखा खींच कर उनके खण्ड कर दें। यह करने के लिये अगले पृष्ठ पर बना नक्शा देखें और उसको अपने निर्देशन हेतु प्रयोग करें।

प्रश्न तथा कार्य ११३

गलतियों २:१६ पढ़े जो इस पत्र का मुख्य पद है। कार्य द्वारा नहीं बल्कि विश्वास द्वारा धार्मिक ठहराया जाना पौलुस प्रेरित के कौन से दो पत्रों का मुख्य भाव है ?

(क) रोमियों तथा गलतियों।

(ख) १ तथा २ कुरिन्थियों।

(ग) गलतियों तथा २ कुरिन्थियों।

प्रश्न १७४

सच्चाई यह है कि बाइबल, यद्यपि काफ़ी पुरानी हो गयी है, परन्तु इसमें २० वीं शताब्दी के मनुष्य की समस्याओं का समाधान उपलब्ध है और यह आज भी विश्व की सबसे अधिक बिकने वाली पुस्तक है क्योंकि

(क) पुस्तकें समय के साथ और अधिक प्रसिद्ध हो जाती हैं।

(ख) बाइबल कभी पुरानी नहीं हो सकती, क्योंकि यह परमेश्वर का वचन है।

व्यवस्था	इतिहास	काव्य
उत्पत्ति निर्गमन लैव्यव्यवस्था गिनती व्यवस्था विवरण	यहोशू न्यायियों रूत १ तथा २ शमूएल १ तथा २ राजा १ तथा २ इतिहास एज्रा नहेम्याह एस्तेर	अय्यूब भजन संहिता नीति वचन सभोपदेशक श्रेष्ठगीत

उत्तर ११३

(क) रोमियों तथा गलतियों

पौलुस प्रेरित के पत्र

जब पौलुस प्रचार करने के कारण बन्दी-गृह में डाला गया तो उसने वहाँ पर इफिसियों, फिलिप्पियों, तथा कुलुस्सियों के पत्र लिखे। ये बन्दीगृह में लिखे गए पत्र मसीही जीवन के विषय में हैं।

उत्तर १७४

(ख) बाइबल कभी पुराना नहीं हो सकता क्योंकि यह परमेश्वर का वचन है।

स्थिरता

फ्रान्स निवासी वोलटायर ने यह घोषणा की थी कि १०० वर्ष के अन्दर उसकी पुस्तकें हर जगह पर पढ़ी जाएंगी जबकि बाइबल केवल संग्रहालयों में रखी मिलेगी।

प्रमुख भविष्यद्वक्ता	सामान्य भविष्यद्वक्ता
यशायाह यिर्मयाह विलापगीत यहेजकेल दानिय्येल	होशे योएल आमोस ओबद्याह योना मीका नहूम हबक्कूक सपन्याह हाग्गै जकर्याह मलाकी

प्रश्न ११४

मसीही जीवन के विषय जेल से तीन सुन्दर पत्र कलीसियाओं को भेजे गए हैं। वे हैं :

(क) रोमियों, १ तथा २ कुरिन्थियों

(ख) गलतियों, १ तथा २ थिस्सलुनीकियों

(ग) इफिसियों, फिलिप्पियों, कुलुस्सियों

(घ) मत्ती, मरकुस, लूका

प्रश्न १७५

फ्रान्स निवासी नास्तिक वोलटायर ने कहा था कि बाइबल

(क) आने वाले १०० वर्षों में दिन ब दिन और अधिक प्रचलित होती जाएगी ।

(ख) १०० वर्षों के अन्दर केवल संग्रहालयों में मिलेगी ।

पुराना नियम

उत्पत्ति, निर्गमन, लैव्यव्यवस्था, गिनती तथा व्यवस्था विवरण (व्यवस्था की पुस्तकें) पैन्टेटूक कहलाती हैं, जिनका अर्थ है 'पांच पुस्तकें।"

उत्तर ११४

(ग) इफिसियों, फिलिप्पियों, कुलुस्सियों

पौलुस प्रेरित के पत्र

थिस्सलुनीकियों के दोनों पत्र प्रभु यीशु के दूसरे आगमन से पूर्व होने वाली बातों का उल्लेख करते हैं। प्रभु यीशु के आगमन के विषय में १ थिस्सलुनीकियों ४:१३-१८ पढ़ें।

उत्तर १७५

(ख) १०० वर्षों के अन्दर केवल संग्रहालयों में मिलेगी।

स्थिरता

१०० वर्षों के अन्दर बाइबल पहले की अपेक्षा कहीं अधिक पढ़ी जाने लगी हैं।

प्रश्न ५४

उत्पत्ति, निर्गमन, लैव्यव्यवस्था, गिनती तथा व्यवस्था विवरण, यानी बाइबल की पहली पांच पुस्तकों को क्या कहते हैं ?

(क) पैन्टिकुस्त

(ख) पैन्टागॉन

(ग) पैन्टेटूक

प्रश्न ११५

कलिसियाओं को पौलुस प्रेरित के लिखे गए पत्र ये हैं :

रो..... फि.....

१ कु..... कु.....

२कु..... १ थि.....

ग..... २ थि.....

इ.....

प्रश्न १७६

आधुनिक समय में आप किस को अधिक प्रसिद्ध कहेंगे ?

(क) बाइबल जिसको इस समय १,३०० भाषाओं में पढ़ा जा रहा है।

(ख) वोलटायर की रचनाएं जो बहुत से पुस्तकालयों में रखी हैं।

उत्तर ५४	पैन्टेटूक
(ग) पैन्टेटूक	"पैन्टेटूक" मसा के द्वारा लिखी गई जो एक महान अगुवा तथा इब्रानियों को दासता से मुक्त कराने हारा था । इस कारण अक्सर हम इन्हें "मूसा की पांच पुस्तकें" भी कहते हैं ।
उत्तर ११५	**पौलुस प्रेरित के पत्र**
रोमियों, १ तथा २ कुरिन्थियों. गलतियों, इफिसियों, फिलिप्पियों, कुलुस्सियों, १ तथा २ थिस्सलुनीकियों ।	पौलुस प्रेरित के चार पत्र व्यक्तिगत हैं : तीमुथियुस को लिखे गए दो पत्र, और तितुस तथा फिलेमोन को लिखा गया एक एक पत्र । पहले तीन मंडलियों के अगुवों के कार्यों के विषय बताते हैं ।
उत्तर १७६	**स्थिरता**
(क) बाइबल जिसको इस समय १,३०० भाषाओं में पढ़ा जा रहा है ।	अनेकों राजाओं ने प्रत्येक बाइबल को नष्ट करने का विचार किया और इसके पढ़ने वालों को मृत्यु दण्ड भी दिया । आलोचकों ने भी इस पर बहुत हमले बोले । परन्तु बाइबल अपने सब शत्रुओं पर विजयी रही ।

प्रश्न ५५

उत्पति, निर्गमन, लैव्यव्यवस्था, गिनती तथा व्यवस्थाविवरण की पुस्तकें किसने लिखीं ?

(क) विजेता यहोशू ने

(ख) प्रेरित पौलुस ने

(ग) प्रिय चिकित्सक लूका ने

(घ) अगुवा मूसा ने

प्रश्न ११६

तीमुथियुस तथा तितुस पौलुस के दो युवा सहायक थे जिनको उसने अगुवा संबन्धी पत्र लिखे । उन पत्रों का सार था :

(क) अगुवा के चरित्र और कार्य

(ख) विश्वास द्वारा धर्मी ठहराया जाना

(ग) प्रभु यीशु का आगमन

कार्य १७७

कंठस्थ करें :

"क्योंकि हर एक प्राणी घास की नाईं है, और उसकी सारी शोभा घास के फूल की नाईं है : घास सूख जाती है, फूल झड़ जाता है परन्तु प्रभु का वचन युगानुयुग स्थिर रहेगा ।"

१ पतरस १:२४, २५

उत्तर ५५

(घ) अगुवा मूसा ने

व्यवस्था की पुस्तकें

"उत्पत्ति" शब्द का अर्थ है "आदि" या "मूल"। उत्पत्ति से हमें मनुष्य, संसार, पाप, तथा उद्धार के मूल का ज्ञान होता है।

उत्तर ११६

(क) अगुआ के चरित्र तथा कार्य।

पौलुस प्ररित के पत्र

पौलुस ने मसीही विश्वास के लिये सिर काटे जाने से पहले तीमुथियुस के नाम अपना अन्तिम पत्र लिखते हुए कहा कि वह परमेश्वर के कार्य के लिये विश्वासी रहे। २ तीमुथियुस ४:५–८ को पढ़ें।

स्थिरता

बाइबल काल के प्रभाव, आलोचकों के आक्रमणों तथा पूर्णतया नष्ट किये जाने की सभी घटनाओं के बाद भी स्थिर रही है। क्यों? इसलिये कि यह परमेश्वर का वचन है।

प्रश्न ५६

इनमें से कौन सी पुस्तक के शीर्षक का अर्थ आदि या प्रारम्भ से है ?

(क) उत्पत्ति
(ख) निर्गमन
(ग) लैव्यव्यवस्था
(घ) गिनती
(ङ) व्यवस्थाविवरण

प्रश्न ११७

अपने कत्ल किये जाने से पहले पौलुस ने कौन सा व्यक्तिगत पत्र लिखा ?

(क) १ तीमुथियुस
(ख) २ तीमुथियुस
(ग) तितुस
(घ) फिलेमोन

प्रश्न १७८

नौ बाइबल के प्रेरणा युक्त होने के प्रमाण रिक्त स्थानों में लिख लें :

प्र .....
वि .....
वु .....
खो .....
श्रे .....
ले .....
भ .....
अ .....
स्थि .....

उत्तर ५६

(क) उत्पत्ति

व्यवस्था की पुस्तकें

"निर्गमन" का अर्थ है "बाहर निकलना"। यह बताती है कि किस तरह से परमेश्वर के लोग मिस्र की दासता से बाहर निकले। निर्गमन को बाइबल में निकालें।

उत्तर ११७

(ख) २ तीमुथियुस

पौलुस प्रेरित के पत्र

उनेसिमुस फिलेमोन का भागा हुआ दास था। वह पौलुस के साथ बंदिगृह में बचा। पौलुस ने फिलेमोन को लिखा कि वह उनेसिमुस को क्षमा कर दे और उसे मसीह में अपने भाई के रूप में स्वीकार कर ले।

उत्तर १७८

अपने उत्तर को पृष्ठ ४३ के १३६ कार्य से मिला लें।

प्रमाण

बाइबल के प्रेरणा युक्त होने के और भी प्रमाण हैं, परन्तु इसको स्वीकार करने के लिये कि बाइबल परमेश्वर का वचन है इतना ही काफ़ी हैं। हम अपने जीवन को इसकी शिक्षाओं पर आधारित कर सकते हैं।

प्रश्न ५७

पैन्टेटूक की कौन सी पुस्तक इस्राएलियों के मिस्र देश से बाहर निकलने की चर्चा करती है ?

(क) उत्पत्ति
(ख) निर्गमन
(ग) लैव्यव्यवस्था
(घ) गिनती
(ङ) व्यवस्थाविवरण

प्रश्न ११८

पौलुस के चार व्यक्तिगत पत्रों के नाम लिखें जो मित्रों को लिखे गए । बन्दी गृह से भागे हुए दास के विषय लिखे गये पत्र को रेखांकित कर दें ।

कार्य १७६

१. स्मृति से बाइबल के प्रेरणा-युक्त होने के नौ प्रमाण लिखें ।

२. अपने अध्यापक को चाहे वह स्थानीय हों या पत्र-व्यवहार के किसी विद्यालय में हो एक छोटा पत्र लिखें तथा उसमें इस पुस्तक से मिले लाभ की चर्चा करें । यदि आपके पास पूछने को कुछ प्रश्न अथवा प्रार्थना के लिये अनुरोध हों तो उनको भी पत्र में लिख दें ।

उत्तर संख्या ५७ के लिये पृष्ठ ८ पर वापिस जाएं और मध्य भाग से पुस्तक का अध्ययन प्रारम्भ करें।

पृष्ठ ८ पर उत्तर संख्या ११८ के लिये वापिस जाएं।

इन अध्यायों को समाप्त कर लेने के लिये आपको बधाई। अपना प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये अपने छात्र-विवरण पर जो अध्याय ७ के लिये दिये गये निर्देशों का पालन करके कुल छात्र विवरण पृष्ठ १ पर दिये गये पते पर भेजें।

आपकी छात्र संख्या·····

आपकी बाइबल के लिये

छात्र-विवरण

भेजे जाने की तिथि·····

साफ लिखें ।

आपका नाम·····

पत्र-व्यवहार का पता·····

नगर·····

प्रान्त·····

देश·····

निर्देश : यदि इस पुस्तक का दोबारा उपयोग होना है, इस फार्म की नकल कर लें तथा अपने विवरण को अलग पर्चे पर लिख लें ।

इण्टरनेशनल कॉरेसपॉण्डेन्स इन्स्टीट्यूट
पोस्ट बाक्स ३०३
लखनऊ–२२६००१

पहला अध्याय—इस पुस्तक का अध्ययन कैसे करें

मैंने प्रश्नों के उत्तर दे दिये हैं तथा विधि को समझ लिया है।

हस्ताक्षर .....

दूसरा अध्याय—बाइबल अध्ययन के लाभ

बाइबल अध्ययन करने के आठ लाभों की चर्चा करें

१. .....

२. .....

३. .....

४. .....

५. .....

६. .....

७. .....

८. .....

तीसरा अध्याय—परमेश्वर की ओर से प्राप्त हुई पुस्तक

मैंने प्रश्नों के उत्तर दे दिये हैं और कार्य पूरा कर लिया है

हस्ताक्षर .....

चौथा अध्याय—बाइबल में जो आप जानना चाहते हैं उसे कैसे खोजें

मैंने प्रश्नों के उत्तर दे दिये हैं तथा कार्य भी कर लिये हैं।

हस्ताक्षर .....

पाँचवाँ तथा छठा अध्याय—बाइबल की पुस्तकें

स्मृति से बाइबल की पुस्तकों के नाम उनके वर्गीकरण के अनुसार लिखें। इस सूची को आप सातवां अध्याय पूरा करने के बाद अपने छात्र-विवरण के साथ मिला कर भेज दीजिये।

सातवाँ अध्याय—हम किस तरह जानते हैं कि बाइबल परमेश्वर का वचन है

१. सभी बाइबल के पद जिन्हें आपको कंठस्थ करने को कहा गया है यहां लिखे हैं :

निरीक्षक

२. मत्ती ४ : ४, भजन ११९ : १०३ .....
यूहन्ना ८ : ३२

३. २ पीटर १ : २१; १ कुरिन्थियों १० : ११ .....
प्रेरितों के कार्य १ : ८ .....

४. प्रेरितों के कार्य १ : ८ .....

५. बाइबल की पहली १७ पुस्तकें .....

७. यूहन्ना ७ : ४६
१ पतरस १ : २४, २५ .....

१. यदि किसी व्यक्ति ने आपको इन सभी पदों को ठीक ठीक दुहराते सुना हो, तो आप उनसे नीचे हस्ताक्षर करने का अनुरोध करें। या, यदि आपने स्वयं ही पदों को स्मृति से लिखकर उनकी जांच कर ली हो, तो रिक्त स्थान पर आप अपने ही हस्ताक्षर कर दें।

हस्ताक्षर.....

२. निम्न सूचनाएं पत्र-व्यवहारिक स्कूल को भेज दें।

(क) अपनी बाइबल की पुस्तकों की सूची पत्र

(ख) आपके प्रमाणों की सूची (कार्य १७६, पृष्ठ १२६)

(ग) पाठ्यक्रम के विषय आपका पत्र

(घ) आपका छात्र विवरण

३. पुस्तक में से अपने "छात्र-विवरण" के सब पृष्ठ काटकर निकाल दें और अपने स्कूल को डाक द्वारा भेज दें। इस का पता पुस्तक के प्रारम्भ में उपलब्ध है।

मुद्रक :
लखनऊ पब्लिशिंग हाउस
३७ कैन्टोनमेन्ट रोड, लखनऊ
उ.प्र. (भारत) फोन : ४४८८३